

My Notes.....

राष्ट्रीय

कंपनी एक्ट में संशोधन संसद से मंजूर

कंपनी (संशोधन) विधेयक, 2017 को राज्यसभा से ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा ने इस साल जुलाई में इस पर मुहर लगाई थी। देश में कंपनियों की कारोबारी प्रक्रिया और नियमों के क्रियान्वयन को सरल बनाने और कारोबारी सुगमता के उद्देश्य से सरकार ने यह संशोधन किया है। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री पी. पी. चौधरी ने कहा कि यह संशोधन बेहतर कॉरपोरेट गवर्नेंस और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का माहौल सुनिश्चित करेगा। विधेयक में संप्रग सरकार के समय लाए गए कंपनी कानून, 2013 में 40 से ज्यादा संशोधन किये गये हैं। संशोधन विधेयक को मार्च, 2016 में लोकसभा में रखा गया था। वहां से इसे वित्तीय मामलों की स्थायी समिति के पास भेज दिया गया था।

क्या है

1. समिति की सिफारिशों को संज्ञान में लेते हुए मंत्रिमंडल ने इस साल मार्च में इसे मंजूरी दे दी थी। चौधरी ने कहा कि नए विधेयक से प्रक्रियाओं को सरल बनाने और डिफॉल्टर कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।
2. मंत्री ने सदस्यों की उस आपत्ति को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि सरकार ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) का निर्वहन सुनिश्चित कराने की दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गये हैं।
3. उन्होंने बताया कि सीएसआर का पालन नहीं करने वाली कंपनियों पर सख्त कार्रवाई होगी। सरकार ऐसी कंपनियों को नोटिस भी भेज चुकी है।
4. विधेयक पर चर्चा के दौरान पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने छोटी और मझोली कंपनियों के लिए अलग कानून की वकालत की।

खत्म हुआ तलाक तलाक तलाक

सुप्रीम कोर्ट के बाद मुस्लिम महिलाओं के सम्मान और हक की लड़ाई की एक जंग लोकसभा में जीत ली गई है। तीन तलाक को गैरकानूनी ठहराते हुए ऐसा करने वालों को सजा के प्रावधान वाला विधेयक लोकसभा में ध्वनिमत से पारित हो गया। राज्यसभा से पारित होने के बाद यह विधेयक कानून की शकल लेगा। केन्द्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने लोकसभा में तीन तलाक के खिलाफ दंड के प्रावधान वाला बिल (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स ऑन मैरिज) संसद में पेश किया। इस बिल के प्रावधान के मुताबिक अगर इस्लाम धर्म में कोई भी शख्स अपनी पत्नी को फौरन तीन तलाक किसी भी माध्यम से देगा तो उसे तीन वर्ष तक की कैद हो सकती है।

क्या है

1. यह एक महत्वपूर्ण बिल है जिससे फौरन तीन तलाक देने के खिलाफ सजा का प्रावधान होगा जो मुस्लिम पुरुषों को एक साथ तीन तलाक कहने से रोकता है। ऐसे बहुत से मामले हैं जिनमें मुस्लिम महिलाओं को फोन या सिर्फ एसएमएस के जरिए तीन तलाक दे दिया गया है।
2. इस बिल में तीन तलाक को दंडनीय अपराध का प्रस्ताव है। ये बिल तीन तलाक को संवैधानिक नैतिकता और लैंगिक समानता के खिलाफ मानता है। इस बिल के प्रावधान के मुताबिक, अगर कोई इस्लाम धर्म माननेवाला फौरन तीन तलाक देता है यह दंडनीय होगा और उसके लिए उसे तीन साल तक की जेल हो सकती है।
3. इस बिल को गृहमंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में अंतर-मंत्रिस्तरीय समूह ने तैयार किया है। जिसमें तीन तलाक यानि तलाक-ए-बिदत वो चाहे किसी भी रूप में हो जैसे- बोलकर, लिखित या फिर इलैक्ट्रॉनिक (एमएसएस या व्हाट्स एप), वह अवैध होगा। उसके लिए पति को तीन साल की कैद का प्रावधान है। इसे केन्द्रीय मंत्रीपरिषद की ओर से पहले ही मंजूरी दी जा चुका है।

4. बिल के प्रावधान के मुताबिक, पति के ऊपर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। लेकिन, कितना जुर्माना हो यह फैसला केस की सुनवाई के दौरान मजिस्ट्रेट की ओर से सुनाया जाएगा।

5. प्रस्तावित कानून सिर्फ फौरन तीन तलाक पर ही लागू होगा और इसमें पीड़ित को यह अधिकार होगा कि वह मजिस्ट्रेट से गुजारिश कर अपने लिए और अपने नाबालिग बच्चे के लिए गुजारा भत्ते की मांग करे। इसके अलावा महिला मजिस्ट्रेट से अपना नाबालिग बच्चे को अपने पास रखने के लिए भी दरखास्त कर सकती है। अंतिम फैसला मजिस्ट्रेट का ही होगा।

6. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक पर सुनवाई के दौरान इसे असंवैधानिक करार दिया था। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जे.एस. खेहर ने केन्द्र सरकार को यह निर्देश दिया था कि वह इस बारे में एक कानून लेकर आए।

7. तीन तलाक पर सुप्रीम कोर्ट के आए आदेश का देशभर में स्वागत किया गया था। खासकर, मुस्लिम महिलाओं ने इस जबरदस्त तरीके से समर्थन किया जिसकी

वजह से उन्हें अपने परिवार में लगातार सफर करना पड़ रहा था।

दुनिया का देश

1. इजिप्ट दुनिया का पहला ऐसा देश है जिसने ट्रिपल तलाक को खत्म किया था। सन् 1929 में इजिप्ट ने कई मुसलमान जजों की राय पर ट्रिपल तलाक को खत्म किया था।
2. पाकिस्तान ने भारत से अलग होने के नौ साल बाद यानी सन् 1956 में ही ट्रिपल तलाक को खत्म कर दिया था।
3. साल 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश का जन्म हुआ। इसके बाद यहां पर शादी और तलाक के कानूनों में सुधार हुआ। बांग्लादेश ने ट्रिपल तलाक को खत्म कर दिया और यहां पर तलाक के लिए कोर्ट का फैसला मान्य माना गया।
4. सन् 1959 में इराक दुनिया का पहला अरब देश बना था जिसने शरिया कोर्ट के कानूनों को सरकारी कोर्ट के कानूनों के साथ बदल दिया। इसके साथ ही यहां पर ट्रिपल तलाक खत्म कर दिया गया।
5. श्रीलंका में ट्रिपल तलाक का जो कानून है उसे कई विद्वानों ने एक आदर्श कानून करार दिया है। यहां पर मैरिज एंड डिवोर्स (मुस्लिम) एक्ट 1951 के तहत पत्नी से तलाक चाहने वाले पति को एक मुस्लिम जज को नोटिस देना होगा जिसमें उसकी पत्नी के रिश्तेदार, उसके घर के बड़े लोग और इलाके के प्रभावशाली मुसलमान भी शामिल होंगे। ये सभी लोग दोनों के बीच सुलह की कोशिश करेंगे।
6. सीरिया में मुसलमान आबादी करीब 74 प्रतिशत है और यहां पर सन् 1953 में तलाक का कानून बना था। सीरिया के पर्सनल स्टेटस लॉ के आर्टिकल 92 के तहत तलाक को तीन या चाहे कितनी भी संख्या में बोला जाए लेकिन इसे एक ही तलाक माना जाएगा। यहां पर भी तलाक जज के सामने ही वैध माना जाता है।
7. ट्यूनीशिया में कोई भी तलाक तब तक वैध नहीं माना जाता है जब तक कि अदालत की ओर से शादीशुदा जिंदगी में जारी तनाव को लेकर एक गहन इन्क्वॉयरी पूरी नहीं कर ली जाती। सन् 1956 में ट्यूनीशिया में यह कानून बना था।
8. मलेशिया में डिवोर्स रिफॉर्म एक्ट 1969 के तहत कई बदलाव किए गए। यहां पर अगर किसी पति को तलाक लेना है तो फिर उसे अदालत में अपील दायर करनी होगी। इसके बाद अदालत पति को सलाह देती है कि वह तलाक की बजाय संबंध सुधारने की कोशिश करे। अगर मतभेद नहीं सुलझते हैं तो फिर पति अदालत के सामने तलाक दे सकता है।
9. इन देशों के अलावा साइप्रस, जॉर्डन, अल्जीरिया, इरान, ब्रुनेई, मोरक्को, कतर और यूएई में भी ट्रिपल तलाक को बैन किया गया है।

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा 23 दिसम्बर को नई दिल्ली में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा ग्राम परियोजना का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गंगा नदी के तट पर स्थित गाँवों में सम्पूर्ण स्वच्छता का अनुपालन करना है।
क्या है

1. अगस्त, 2017 में 5 गंगा राज्यों (उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड और पश्चिम बंगाल) के सक्रिय सहयोग से मंत्रालय द्वारा सभी 4470 गंगा गाँवों को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया गया है।
2. अक्टूबर, 2014 में मिशन के आरंभ होने के बाद मंत्रालय द्वारा 6 राज्यों व 2 केंद्र-शासित प्रदेशों के 260 जिलों में स्थित 2.95 लाख गाँवों में 5.2 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया तथा इन गाँवों को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया गया।
3. गंगा तट पर बसे गाँवों को खुले में शौच से मुक्त घोषित करने के पश्चात् मंत्रालय व राज्य सरकारों द्वारा 24 ऐसे गाँवों की पहचान की गई, जिन्हें गंगा ग्राम के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। इन गाँवों के माध्यम से स्वच्छता का मानदंड स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।
4. इन गाँवों को 31 दिसम्बर, 2018 तक गंगा ग्राम में परिवर्तित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
5. स्वच्छ भारत मिशन के लिये पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है।
6. गंगा ग्राम परियोजना का मुख्य लक्ष्य ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से गंगा तट पर बसे गाँवों के सम्पूर्ण विकास के लिये एकीकृत दृष्टिकोण को अपनाना है।
7. गंगा ग्राम परियोजना के अंतर्गत ठोस और द्रव कचरा प्रबंधन, तालाबों और अन्य जलाशयों के पुनरूद्धार, जल संरक्षण परियोजनाओं, जैविक खेती, बागवानी तथा औषधीय पौधों को प्रोत्साहन देने जैसे घटकों को शामिल किया गया है।

सलाहकार समिति का गठन

1. पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री की अध्यक्षता में एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है, जो इस संबंध में आवश्यक सभी प्रकार की नीतियों के निर्माण के साथ-साथ सभी जरूरी निर्णय लेगी।
2. इसके अतिरिक्त एक अन्य समिति का भी गठन किया गया है, जो परियोजना का पर्यवेक्षण करेगी, समन्वय स्थापित करेगी तथा इसे लागू करेगी।

गंगा स्वच्छता मंच का गठन

1. पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री की पहल पर एक गंगा स्वच्छता मंच का गठन किया गया है।
2. इस मंच में शिक्षाविदों और नागरिक संगठनों के साथ-साथ आम नागरिकों की सहभागिता को भी सुनिश्चित किया गया है।

दर्पण परियोजना का शुभारंभ

संचार मंत्रालय द्वारा सेवा गुणवत्ता में सुधार लाने, सेवाओं में मूल्यवर्द्धन तथा बैंक सेवाओं से वंचित ग्रामीण आबादी के वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को हासिल करने के

‘नमामि गंगे’ योजना

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्लैगशिप योजना ‘नमामि गंगे’ को मई 2015 में स्वीकृति दी गई थी।
2. इस योजना के तहत गंगा नदी को समग्र तौर पर संरक्षित और स्वच्छ करने के कदम उठाए जा रहे हैं।
3. इस पर वर्ष 2020 तक 20 हजार करोड़ रुपए खर्च करने की योजना है।
4. गंगा को स्वच्छ करने के लिये पिछले 30 सालों में सरकार की ओर से खर्च की गई राशि से यह चार गुना अधिक है।
5. बेहतर और टिकाऊ परिणाम हासिल करने के लिये इस कार्यक्रम में अहम बदलाव करते हुए गंगा नदी के किनारे बसे लोगों को ‘स्वच्छ गंगा मिशन’ में शामिल किया गया है।
6. गंगा स्वच्छता मिशन में राज्यों और जमीनी स्तर के संस्थानों, जैसे- शहरी स्थानीय निकाय और पंचायती राज संस्थानों को शामिल किया गया है।
7. यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (National Mission for Clean Ganga-NMCG) द्वारा लागू किया जा रहा है।

लिये 'दर्पण डिजिटल एडवांसमेंट ऑफ रूरल पोस्ट ऑफिस फॉर ए न्यू इंडिया" (DARPAN - Digital Advancement of Rural Post Office for A New India) परियोजना का शुभारंभ किया गया।

क्या है

1. 1400 करोड़ रुपए की इस परियोजना का लक्ष्य प्रत्येक पोस्ट ऑफिस की शाखा के पोस्ट मास्टर (Branch Postmaster - BPM) को कम शक्ति वाली तकनीकी व्यवस्था उपलब्ध कराना है।
2. इसके अंतर्गत सभी राज्यों के ग्रामीण उपभोक्ताओं की सेवा में सुधार के लिये लगभग 1.29 लाख डाकघरों को शामिल किया जाएगा।
3. इस परियोजना के शुरू होने के साथ ही तकरीबन 43,171 शाखा डाकघरों द्वारा दर्पण परियोजना को अपनाया गया, ताकि ग्रामीण आबादी के वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को कम से कम समय में प्राप्त किया जा सके।
4. इस परियोजना में लक्षित उद्देश्य को मार्च, 2018 तक पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है।

इससे क्या लाभ होगा ?

1. इस परियोजना से ग्रामीण आबादी तक डाक विभाग की पहुँच में विस्तार होगा।
2. इससे सभी वित्तीय प्रेक्षणों, बचत खातों, ग्रामीण डाक जीवन बीमा और नकद प्रमाण पत्रों में वृद्धि होगी।
3. इससे स्वचालित बुकिंग-अनुमति तथा खाता योग्य सामग्री की डिलीवरी हेतु मेल संचालनों की प्रक्रिया में सुधार होगा।
4. खुदरा डाक व्यवसाय से राजस्व में वृद्धि होगी।
5. मनरेगा जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं हेतु वितरण व्यवस्था को और अधिक सहज बनाया जा सकेगा।

भारत में बनेगा गुरुत्वीय तरंगों को मापने वाला यंत्र

भारत 2025 तक गुरुत्वाकर्षण तरंगों को मापने वाला लिगो (लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव आब्जर्वेटरी डिटेक्टर) यंत्र बना लेगा। अभी तक यह सुविधा केवल अमेरिका के पास मौजूद है। वहां इसकी दो प्रयोगशालाएं काम कर रही हैं। भारत में यंत्र की स्थापना के लिए जगह का चयन कर लिया गया है, लेकिन नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। लिगो यंत्र ने पहली बार गुरुत्वीय तरंगों को खोजा था। 2016 में एक सुरंग में प्रयोग करके इसका पता लगाया था। 2017 का नोबल पुरस्कार इसी शोध के लिए दिया गया है।

क्या है

1. नोबल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने तकरीबन सौ साल पहले पहली बार इन तरंगों के बारे में बताया था। उसके बाद ही इस दिशा में शोध कार्य शुरू हो सके।
2. अमेरिका ने दो लिगो यंत्रों को लंबे शोध के बाद तैयार किया था। इन्हें स्थापित भी कर लिया गया है। अमेरिकी वैज्ञानिकों का मानना है कि तीसरे यंत्र को पृथ्वी में किसी और जगह पर लगाया जाए तो बेहतरीन परिणाम हासिल होंगे।
3. पुणे स्थित इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रो फिजिक्स (आइयूसीए) के निदेशक सोमेक रॉय चौधरी का कहना है कि लिगो यंत्र तैयार होने के बाद उनकी संस्था इसके संचालन व निगरानी का काम करेगी।
4. इसके लिए भारी तादाद में युवाओं की जरूरत होगी। उनका कहना है कि इंदौर का राजा रमन्ना सेंटर व अहमदाबाद का प्लाज्मा रिसर्च सेंटर यंत्र के कलपुर्जों को तैयार कर रहा है। इसमें इस्तेमाल होने वाला दर्पण व अन्य जरूरी चीजें अमेरिका से आएंगी।

भारत को बड़ी सफलता

सुपर पावर बनने की दिशा में भारत ने एक और कदम आगे बढ़ाया है। भारत ने 28 दिसम्बर 2017 को स्वदेशी विकसित उन्नत वायु रक्षा (एएडी) सुपरसोनिक इंटरसेप्टर मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जिसके बाद भारत विश्व का चौथा ऐसा देश बन गया है जो कि मिसाइल से मिसाइल को नष्ट कर सकता है। ओडिशा के समुद्रतट के निकट स्थित व्हीलर आईलैंड (जिसे अब अब्दुल कलाम आईलैंड कहा जाता है) पर ये टेस्ट किया गया। जो कम ऊंचाई में किसी भी

आने वाली बैलिस्टिक मिसाइल को नष्ट करने में सक्षम है। यह इस साल किया गया तीसरा सुपरसोनिक इंटरसेप्टर परीक्षण था, जिसमें पृथ्वी के वायुमंडल के 30 किमी ऊंचाई के भीतर इंटरसेप्टर के द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल का लक्ष्य सफलतापूर्वक रोक दिया गया था। टेस्ट लॉन्च के बाद रक्षा सूत्रों ने कहा कि यह एक सीधा हिट और शानदार सफलता थी। इससे पहले 1 मार्च और 11 फरवरी, 2017 को दो परीक्षण हुए थे, जो पूर्ण बहु-परत बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के प्रयासों के तहत आयोजित किए गए थे। आज के परीक्षण में उड़ान प्रणाली में इंटरसेप्टर के विभिन्न मापदंडों को मान्य करने के लिए आयोजित किया गया था और यह सब सफल भी रहा। लक्ष्य मिसाइल नाम से जाने जानी वाली पृथ्वी मिसाइल को चंडीपूर के नजदीक समन्वित परीक्षण श्रेणी (आईटीआर) के लांच कॉम्प्लेक्स 3 से लॉन्च किया गया।

मिसाइल की खास बातें

1. मिसाइल की लंबाई 7.5 मीटर है
2. यह सिंगल स्टेज रॉकेट गाइडेड मिसाइल है
3. नेविगेशन प्रणाली के सुसज्जित
4. यह मिसाइल उच्च तकनीक कंप्यूटर और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल उत्प्रेरक है
5. इंटरसेप्टर एक 7.5 मीटर लंबी एकल चरण ठोस रॉकेट चालित मिसाइल है जो नेविगेशन प्रणाली, एक उच्च तकनीक कंप्यूटर और एक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल उत्प्रेरक अत्याधुनिक इंटरसेप्टर मिसाइल का अपना मोबाइल लांचर, अवरोधन के लिए सुरक्षित डाटा लिंक, स्वतंत्र ट्रैकिंग और होमिंग क्षमताओं और परिष्कृत रडार हैं
6. मिसाइल से मिसाइल को नष्ट करने की क्षमता इसके पहले अमेरिका, रूस और इजरायल के पास ही थी, लेकिन अब भारत भी इसमें शुमार हो गया है।

वन संशोधन विधेयक पारित

कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी सदस्यों के बहिर्गमन के साथ ही भारतीय वन (संशोधन) विधेयक राज्यसभा से पारित हो गया। इसी के साथ अब गैर-वन क्षेत्रों में उगाए गए बांस को वृक्ष नहीं माना जाएगा तथा इसकी खेती की जा सकेगी। भारतीय वन संशोधन विधेयक को लोकसभा 20 दिसंबर को पारित कर चुकी थी। 27 दिसम्बर को राज्यसभा ने भी इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया।

क्या है

1. पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्री डा. हर्षवर्द्धन ने कहा इससे आदिवासियों, वनवासियों तथा किसानों को फायदा होगा क्योंकि उनकी आमदनी बढ़ेगी।
2. विधेयक गैर-वन क्षेत्रों में उगाए गए बांस को काटने और ढुलाई करने की अनुमति देता है। हालांकि वन क्षेत्र में उगाए गए बांस को अभी भी वृक्ष माना जाएगा तथा उस पर मौजूदा प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू रहेंगे।
3. इससे पहले चर्चा में भाग लेते हुए पूर्व पर्यावरण मंत्री व कांग्रेस सदस्य जयराम रमेश ने विधेयक का ये कहते हुए विरोध किया कि यह बेहद भ्रामक है तथा इससे दीर्घकाल में आदिवासियों का नुकसान होगा। उन्होंने विधेयक को लेकर सरकार की हड़बड़ी पर सवाल उठाया और कहा कि जब संसद चल रही थी तो अध्यादेश लाने की क्या जरूरत थी।

मिसाइल ब्रह्मोस का 40 सुखोई से एकीकृत करने का काम शुरू

सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का 40 सुखोई लड़ाकू विमानों से एकीकृत करने का काम शुरू हो गया है। इस क्षेत्र में सुरक्षा गतिशीलता विकसित होने के बाद यह उम्मीद की जा रही है कि यह भारतीय वायु सेना की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करेगी। 22 नवंबर को दूसरी बार सुखोई-30 एमकेआइ सुपरसोनिक लड़ाकू विमान से मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया गया था। वायु सेना के लिए इस मील का पत्थर माना जा रहा है। मुकाबला करने वाले 40 सुखोई विमानों पर ब्रह्मोस

मिसाइल को एकीकृत करने का काम शुरू हो गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार परियोजना के लिए एक समय सीमा निर्धारित की जा रही है।

क्या है

1. परियोजना 2020 तक पूरा होने की उम्मीद है। 40 सुखोई जेट के बेड़े पर मिसाइल के एकीकरण के लिए राज्य एयरोस्पेस प्रमुख हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में संरचनात्मक संशोधन करने होंगे।
2. 2.5 टन की मिसाइल ब्रह्मोस के मौजूदा स्पीड ध्वनि की गति से लगभग तीन गुनी बताई जा रही है और इसकी रेंज 290 किलोमीटर है।
3. पिछले साल मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) का पूर्ण सदस्य बनने के बाद देश भारत-रूस संयुक्त उद्यम की मिसाइल की रेंज को 400 किलोमीटर सीमा तक बढ़ा सकता है। ब्रह्मोस मिसाइल भारत के सु-30 लड़ाकू विमानों पर तैनात होने वाला सबसे बड़ा हथियार है।
4. एयर-लॉन्च संस्करण की टेस्ट फायरिंग के बाद, वायुसेना ने कहा था कि सु-30 विमान के अच्छे प्रदर्शन के साथ मिसाइल सेना को एक रणनीतिक पहुंच देगी और भारतीय सेना इसका जमीन, सागर और हवा कहीं से भी इस्तेमाल कर सकती है।
5. सुखोई विमान और मिसाइल का एकीकरण, सु-30 जेट के यांत्रिक, इलेक्ट्रिकल और सॉफ्टवेयर संशोधनों से जुड़ी एक बहुत मुश्किल प्रक्रिया है।

विजय दिवस

1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध की बरसी के मौके पर आज (16 दिसम्बर) पूरा देश शहीद जवानों की शहादत को याद किया है। विजय दिवस के अवसर पर रक्षा मंत्री निर्मला सीतारण ने अमर जवान ज्योति पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान आर्मी चीफ जनरल बिपिन रावत, नौसेना प्रमुख सुनील लांबा और वायुसेना प्रमुख बिरेंद्र सिंह धनोजा भी मौजूद रहे। उन्होंने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को याद करते हुए कहा, 1971 के युद्ध में देश की और मानवीय स्वतंत्रता के सार्वभौमिक मूल्यों की रक्षा करने के लिए अपनी सशस्त्र सेनाओं को हम कृतज्ञता के साथ याद करते हैं। विशेषकर उस साहसिक अभियान में बलिदान हो गए सैनिकों के प्रति हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

क्या है

1. 16 दिसंबर 1971 को ढाका में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम के आगे पाकिस्तान की सेना ने आत्मसमर्पण किया और बांग्लादेश को आजादी मिली।
2. विजय दिवस माँ भारती के हर वीर सैनिक को समर्पित है जिनके अदम्य साहस व समर्पण से हम सुरक्षित और गौरवावित महसूस करते हैं।
3. हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। 16 दिसंबर 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत की वजह से यह दिन मनाया जाता है।
4. इस युद्ध में भारत सेना ने अपने पराक्रम से पाकिस्तानी सेना को करारी शिकस्त दी थी, जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान आजाद हो गया था, जो आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है।

नदियों को परस्पर जोड़ना

'नदियों को जोड़ने' संबंधी वर्ष 2002 की रिट याचिका (सिविल) संख्या 512 के साथ-साथ 2002 की रिट याचिका संख्या 668 के संबंध में हाल ही में अपने एक फैसले में उच्चतम न्यायालय ने भारत सरकार और विशेषकर जल संसाधन मंत्रालय को जल संसाधन मंत्री की अध्यक्षता में नदियों को जोड़ने के कार्यक्रम (Interlinking of Rivers Programme - ILR) के कार्यान्वयन हेतु एक समिति बनाने का निर्देश दिया।

क्या है

1. उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार, वर्ष 2014 में केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री की अध्यक्षता में नदी जोड़ो कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिये “नदियों को जोड़ने की विशेष समिति” (Special Committee on Interlinking of Rivers) नामक एक समिति बनाई गई थी।
2. इस समिति की अभी तक 13 बैठकें (पिछली बैठक 27.07.2017 को नई दिल्ली में हुई) हो चुकी हैं, जिनमें विभिन्न राज्यों के सचिवों सहित राज्य सिंचाई/जल संसाधन मंत्रियों द्वारा भाग लिया गया।
3. आई.एल.आर. की विशेष समिति द्वारा आई.एल.आर. परियोजनाओं की योजना बनाते समय स्टेक होल्डरों के सभी सुझावों/टिप्पणियों पर विचार किया जाता है।
4. इस विशेष समिति की पहली बैठक में निम्नलिखित 4 विशिष्ट उप-समितियों के गठन का निर्णय लिया गया था:-
5. विभिन्न अध्ययनों/रिपोर्टों के व्यापक मूल्यांकन संबंधी उप-समिति (उप-समिति-I)।
6. सबसे उपयुक्त वैकल्पिक योजना की पहचान हेतु प्रणाली अध्ययन संबंधी उप-समिति (उप-समिति-II)।
7. राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण के पुनर्गठन संबंधी उप-समिति (उप-समिति-III)।
8. बातचीत के माध्यम से सहमति बनाने और संबंधित राज्यों के बीच सहमति बनाने संबंधी उप-समिति (उप-समिति-IV)।

नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी कार्यबल का गठन (2015)

1. केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 24 जुलाई, 2014 को आयोजित बैठक में नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी विशेष समिति के गठन का अनुमोदन करते समय निर्देश दिये थे कि नदियों को आपस में जोड़ने से संबंधित मामलों की देख-रेख के लिये विशेषज्ञों को शामिल करते हुए एक समिति का गठन किया जाए।
2. मंत्रिमंडल के निर्देशों का अनुपालन करते हुए जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा श्री बी.एन. नवलावाला (मुख्य सलाहकार, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय) की अध्यक्षता में नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी कार्यबल (टीएफ-आईएलआर) का गठन किया गया।
3. यह कार्यबल नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के संबंध में आई.एल.आर. संबंधी विशेष समिति और जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय को सहायता प्रदान करता है।
4. इस मंत्रालय द्वारा अगस्त, 1980 में तैयार अंतर-बेसिन जल अंतरण के माध्यम से जल संसाधन विकास के लिये राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (National Perspective Plan- NPP) के तहत एन.डब्ल्यू.डी.ए. (National Water Development Agency – NWDA) ने साध्यता रिपोर्ट (Feasibility Reports & FRs) तैयार करने हेतु 30 संपर्कों (प्रायद्वीपीय घटक के तहत 16 और हिमालयी घटक के तहत 14) की पहचान की है।
5. सर्वेक्षण और जाँच के पश्चात् प्रायद्वीपीय घटक के तहत 14 संपर्कों और हिमालयी घटक में दो संपर्कों की एफआर (Feasibility Reports & FRs) तैयार कर ली गई है।
6. अंतर-बेसिन जल अंतरण संपर्कों की वर्तमान स्थिति, संबंधित राज्य और लाभान्वित राज्य का विवरण अनुलग्नक (Annexure) पर दिया गया है।

देश का पहला अपना लोगो वाला शहर

ब्रांड बेंगलुरु ऐसा शहर बन गया है जिसके पास अपना लोगो है। इस लोगो की टैगलाइन है-श्वेगलुरु - बी यूश। इस टैगलाइन के साथ शहर वैश्विक स्तर पर अपनी छवि बनाने की कोशिश करेगा। इसी के साथ बेंगलुरु देश का पहला ऐसा शहर बन गया है जिसका अपना लोगो है। इस उपलब्धि के साथ यह न्यूयॉर्क, पेरिस और मैनचेस्टर जैसे शहरों की लिस्ट में

शामिल हो गया है। इस लोगों को 1,350 प्रविष्टियों में से चुना गया है। लोगो का उद्देश्य बंगलुरु की सर्वदेशीय संस्कृति को दर्शाना है, जो कि 480 साल के इतिहास और भविष्य के दृष्टिकोण से संबंधित है।

क्या है

1. यह शहर कई संस्कृतियों, रंगों और फ्लेवर्स को अपने में शामिल किए हुए है। यह एक डायनामिक शहर है जहां परंपरा और माडर्न कल्चर साथ चलते हैं। बता दें कि शहर का यह लोगो पर्यटन और निवेश को बढ़ाने के लिए लिहाज से भी किया गया है।
2. इस लोगों को नेमूर डिजाइनर फर्म के फाउंडर रशी पटेल और एम वेंकटेश्वर राव ने डिजाइन किया है। लोगों के पहले दो अक्षर, बी, ई, और बंगलुरु के अंतिम, यू, लाल रंग में हैं।
3. लाल रंग में लिखे पहले और आखिरी शब्द शबीयूश की तरह नजर आते हैं। जो कि टैगलाइन बी यू को हाइलाइट करते हैं। शहर का नया लोगो रविवार को बंगलुरु हब्बा स्ट्रीट फेस्टिवल के दौरान जारी किया गया।
4. माना जाता है कि ब्रांड आइडेंटिटी के चलते शहरों को अपने लोगों से सकारात्मक लिंक जोड़ने में मदद मिलती है।

बेकार हो चुके कानूनों को खत्म करने पर लोकसभा की मुहर

सरकार ने लोकसभा में दो बिलों को पारित कराकर 245 पुराने व बेकार हो चुके कानूनों को तब्दील करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। इनमें 158 साल पुराना कलकत्ता पायलट एक्ट 1959 व 1911 का प्रिवेंशन ऑफ सेडिटियश मीटिंग (राजद्रोह संबंधित) एक्ट भी शामिल है। सदन में बताया गया कि यह सारे कानून अंग्रेजों के शासन में बने थे और अब बेमतलब हो गए हैं।

क्या है

1. केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने सदन में बताया कि आजादी से पहले के कानूनों को खत्म करके सरकार ने प्रगतिवादी सोच की तरफ कदम बढ़ाया है।
2. वह लोकसभा में बिल को लेकर किए गए सवालियों के जवाब दे रहे थे। जो कानून खत्म किए गए उनमें हेकने कैरिज एक्ट 1879 व ड्रामेटिक परफार्मेंस एक्ट 1876 भी शामिल हैं।
3. दूसरे एक्ट का इस्तेमाल ब्रिटिश राज में उन नाटकों का मंचन रोकने के लिए किया जाता था, जो अंग्रेजी साम्राज्य के विरोध में अलख जगाते थे। द गंगेश टोल एक्ट 1867 को भी तब्दील कर दिया गया है।
4. इसके जरिये नावों व स्टीमरों से टोल टैक्स (12 आना से ज्यादा नहीं) वसूला जाता था। इलाहाबाद (उप्र) से दीनापुर (बिहार) के बीच गंगा में चलने वाले नौकाओं से यह टैक्स वसूल किया जाता था।
5. प्रसाद ने कहा कि 1029 पुराने कानून 1950 में ही तब्दील कर दिए गए थे। आखिरी बार इन्हें बाजपेयी सरकार के दौरान 2004 में बदला गया था।
6. मोदी सरकार बनने के बाद दो सदस्यीय समिति पुराने कानूनों पर विचार के लिए बनाई गई थी। मोदी के कार्यकाल में ऐसे 1824 एक्ट खत्म किए जा चुके हैं।
7. प्रिवेंशन ऑफ सेडिटियश मीटिंग पर बीजद के सांसद तथागत सत्पथी ने कहा कि भाजपा सरकार इसका इस्तेमाल विपक्ष को दबाने के लिए कर रही थी।
8. पाटीदार नेता हार्दिक पटेल व जेएनयू के छात्र नेता कन्हैया पर इसी कानून के तहत सरकार ने शिकंजा कसा था। शिवसेना सांसद विनायक राउत ने आर्टिकल 370 को खत्म करने को सरकार से कदम उठाने को कहा।

भारत की पहली 'स्वदेशी ट्रेन'

भारत की पहली स्वदेशी ट्रेन अगले वर्ष दिसंबर तक पटरी पर दौड़ने के लिए तैयार हो जाएगी। रेलवे बोर्ड के एक सदस्य ने इसकी जानकारी दी है। यह ट्रेन दिल्ली में चलने वाली मेट्रो ट्रेन के जैसी होगी, लेकिन यह बड़े पैमाने पर निर्मित की जाएगी। पटरी पर यह 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेगी। मेट्रो ट्रेन के विपरीत 16 डिब्बे वाली ये गाड़ियां लंबी दूरी तय करने में सक्षम होंगी। ट्रेन का सेट दिल्ली मेट्रो ट्रेक के ही जैसा होगा। इसमें कई कोच ऐसे होंगे जो प्रोपल्शन

सिस्टम से लैस होंगे। इससे लोकोमोटिव की जरूरत खत्म हो जाएगी। रेलवे बोर्ड के सदस्य रविंद्र गुप्ता ने कहा कि शुरू में यह चेयर कार होगी, लेकिन अंत में स्लीपर भी इसमें शामिल किया जाएगा।

क्या है

1. तेज गति से अधिक चक्कर लगाए जा सकेंगे
2. सामान्य ट्रेनों की तुलना में ये यात्रियों को उनके गंतव्यों पर जल्द पहुंचाएंगे
3. रेलवे में पहली बार इन ट्रेन सेटों में स्वचालित दरवाजे होंगे
4. स्वचालित दरवाजे स्टेशनों पर अपने आप खुलेंगे और अपने आप बंद होंगे
5. बाकी ट्रेनों के मुकाबले इनमें बड़ी खिड़कियां होंगी
6. सभी डिब्बे पूरी तरह वातानुकूलित होंगे और जैव शौचालयों से लैस होंगे

भारत से बच्चा गोद लेने वालों के मानसिक स्वास्थ्य की जांच

भारत से बच्चा गोद लेने के लिए विदेश में रहने वाले भावी माता-पिता को अब अपने मानसिक स्वास्थ्य की जांच करानी होगी। गोद लेने संबंधी देश की नोडल संस्था सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी (सीएआरए) ने इस संबंध में अपने नियमों में संशोधन किया है। अमेरिका में गोद ली गई भारतीय बच्ची शेरिन मैथ्यू की मौत के बाद उसने यह कदम उठाया। सीएआरए ने दुनिया भर में अपनी साझेदार एजेंसियों को भारत से बच्चा गोद लेने के आवेदकों की मनोवैज्ञानिक जांच कराने को कहा है। अर्थोराइज्ड फॉरेन एडॉप्शन एजेंसीज (एएफएए) और सेंट्रल अथॉरिटीज जैसी नोडल संस्थाओं को लाइसेंसधारी चिकित्सकों से यह जांच कराने को कहा गया है।

क्या है

1. गोद लेने के लिए तैयार किए जाने वाली गृह अध्ययन रिपोर्ट (एचएसआर) के साथ अब मनोवैज्ञानिक जांच की रिपोर्ट भी देनी होगी। यह नियम केवल विदेशी आवेदकों के लिए है।
2. सीएआरए की वेबसाइट पर गोद लेने के लिए रजिस्टर करने वाले आवेदकों का एचएसआर तैयार किया जाता है। इसमें उनके सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य और पारिवारिक पृष्ठभूमि का पता लगाया जाता है।
3. सीएआरए के सीईओ ले. कर्नल दीपक कुमार ने बताया कि शेरिन के मामले को देखकर हमें यह लगा कि एएफएए द्वारा नियमित रिपोर्ट दिए जाने के बावजूद कुछ गलत था जो हम समझ नहीं पाए।
4. गौरतलब है कि अमेरिका के टेक्सस शहर में बिहार से गोद ली गई शेरिन की पालक पिता के जबरन दूध पिलाने के दौरान दम घुटने से मौत हो गई थी।
5. इसी तरह विदेश मंत्रालय ने भी भारतीय बच्चे को गोद लेने के मामले में पासपोर्ट नियम और सख्त कर दिए हैं। गोद लिए गए बच्चे के पासपोर्ट के लिए आवेदन करने वाले माता-पिता को सीएआरए का अनुपालन प्रमाण पत्र देना होगा।

देश की पहली AC लोकल ट्रेन शुरू

देश की पहली वातानुकूलित (एसी) लोकल ट्रेन सेवाओं की 25 दिसम्बर को मुंबई से शुरुआत हो गई, जिससे लाखों यात्रियों का बहुप्रतीक्षित सपना पूरा होगा। इसे मुम्बईकरों के लिए क्रिसमस के उपहार के रूप में देखा जा रहा है। पश्चिमी रेलवे (डब्ल्यूआर) द्वारा संचालित इस लोकल ट्रेन ने दक्षिण मुम्बई में बोरीवली स्टेशन से चर्चगेट तक अपनी यात्रा शुरू की। क्रिसमस के मौके पर देश की पहली एसी लोकल ट्रेन मुंबई के बोरीवली स्टेशन से चर्चगेट के लिए रवाना हुई। 12 बोगियों की इस ट्रेन का किराया सामान्य लोकल के फर्स्ट क्लास के किराए से थोड़ा ज्यादा होगा। एसी ट्रेन होने की वजह से इसमें भीड़ ज्यादा होने के आसार हैं, इसलिए उसे कंट्रोल करने के लिए इसमें बाउंसर तैनात किए गए हैं। कुछ दिनों पहले रेलवे ने इसके सभी ट्रायल और चेक पूरे किए थे। मुंबई के लोग पिछले 5 साल से एसी लोकल ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।

क्या है

1. इनमें राजधानी एक्सप्रेस के कोच की तरह बड़ी सिंगल विंडो लगाई गई है। कोच का इंटीरियर पिछले साल मुंबई को दी गई नई लोकल कोच जैसा है। कोच में लगी सीट नीले और ग्रे रंग की हैं।

2. इस ट्रेन की मैक्सिमम स्पीड 110 किलोमीटर प्रति घंटे होगी। इसमें 5964 पैसेंजर्स की कैपिसिटी होगी।
3. मुंबई लोकल में हर रोज 65 लाख से ज्यादा लोग सफर करते हैं। इसमें भी अकेले वेस्टर्न लाइन पर 35 लाख पैसेंजर्स हैं और इस लाइन पर 37 स्टेशन पड़ते हैं। एसी लोकल को सबसे पहले इसी लाइन पर चलाया जा रहा है।
4. मुंबई के लिए सरकार ने 370 एस्केलेटर्स को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा सिव्युरिटी को बेहतर बनाने के लिए सभी ट्रेनों और स्टेशनों पर ब्रिज भी लगाए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य को मौलिक अधिकार बनाने का निजी विधेयक पेश

शिक्षा के अधिकार की तर्ज पर लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुरक्षा सेवाएं भी मुहैया कराने के लिए राज्यसभा में एक निजी विधेयक पेश किया गया। वार्डएसआर कांग्रेस के सांसद वी. विजयसाई रेड्डी ने स्वास्थ्य के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने के वास्ते संविधान में संशोधन कर नया अनुच्छेद 21बी जोड़ने का प्रस्ताव किया है। बिल के प्रावधानों के मुताबिक राज्य सभी नागरिकों के लिए रोगों की रोकथाम, इलाज, नियंत्रण तथा जरूरी दवाओं तक पहुंच के लिए एक स्वास्थ्य सुरक्षा सिस्टम उपलब्ध कराएगा। इसमें कहा गया है कि सभी नागरिकों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं, आपातकालीन चिकित्सीय इलाज तथा मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा मिलनी चाहिए। इसके लिए सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के मद में आठ फीसदी से कम बजट का प्रावधान नहीं करेगी।

क्या है

1. जीडीपी का 1.4 प्रतिशत होता है खर्च रेड्डी का तर्क है कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर जीडीपी का मात्र 1.4 फीसदी खर्च करती है। जन स्वास्थ्य का ढांचा अपर्याप्त तथा असमान है।
2. राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2015 के ड्राफ्ट में इस बात का उल्लेख है कि बीमारियों पर खर्च के कारण हर साल 6.3 करोड़ लोग गरीबी के शिकार होते हैं।
3. स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरतों के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पास कोई आर्थिक सुरक्षा नहीं है। स्वास्थ्य सुविधा देने का दायित्व सरकार पर उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 21 का दायरा बड़ाकर लोगों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का दायित्व कल्याणकारी सरकार का होना चाहिए।
4. स्वास्थ्य के अधिकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता मिली हुई है। यह मानवाधिकार की वैश्विक घोषणा तथा आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक अधिकारों की अंतरराष्ट्रीय संधि में भी शामिल है और भारत इन पर हस्ताक्षर कर चुका है। वैसे तो संसद का कोई भी सदस्य निजी बिल पेश कर सकता है लेकिन उसे संसदीय मंजूरी मिलने की संभावना बहुत ही कम होती है।

स्टेशनों का नया वर्गीकरण

एक प्रमुख नीतिगत बदलाव के तहत रेल मंत्रालय ने रेलवे स्टेशनों के वर्गीकरण के पुराने तरीके को बदलकर नया तरीका अपनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत स्टेशनों का वर्गीकरण केवल राजस्व के मुताबिक करने के बजाय राजस्व तथा यात्री संख्या दोनों के आधार पर होगा। इस लिहाज से अब स्टेशनों के तीन समूह तथा 12 उप समूह होंगे। तीन समूहों में गैर-उपनगरीय या नॉन सबर्बन (एनएसजी), उपनगरीय (एसजी) या सबर्बन तथा स्थगन या हाल्ट (एचजी) स्टेशन शामिल हैं। गैर-उपनगरीय या नॉन-सबर्बन स्टेशनों को छह उपसमूहों में बांटा गया है। सालाना 500 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व तथा दो करोड़ रुपये से अधिक यात्रियों की आवक वाले स्टेशनों को एनएसजी1 स्टेशन माना जाएगा। जबकि 100-500 करोड़ की आमदनी व 1-2 करोड़ यात्री वाले स्टेशन को एनएसजी2 में रखा जाएगा।

क्या है

1. एनएसजी3 स्टेशन वो होगा जहां 20-100 करोड़ रुपये आमदनी के साथ 50 लाख-1 करोड़ यात्री आते हों। इसी प्रकार एनएसजी4 (10-20 करोड़ रुपये, 20-50 लाख यात्री), एनएसजी5 (1-10 करोड़ रुपये, 10-20 लाख यात्री) तथा एनएसजी6 (1 करोड़ रुपये, 10 लाख यात्री) का वर्गीकरण किया गया है।

2. उपनगरीय स्टेशनों के तीन उपसमूह होंगे। इनमें 25 करोड़ से अधिक आमदनी व 3 करोड़ यात्री वाला स्टेशन एसजी1 कहलाएगा। जबकि 10-25 करोड़ आमदनी व 1-3 करोड़ यात्री वाले स्टेशन को एसजी2 में रखा जाएगा।
3. इसी तरह 10 करोड़ तक आमदनी व एक करोड़ यात्री होने पर उपनगरीय स्टेशन एसजी3 में गिना जाएगा। हॉल्ट स्टेशन के भी तीन उपसमूह हैं। 50 लाख रुपये आमदनी व 3 लाख से अधिक यात्री वाला हॉल्ट स्टेशन एचजी1 में, 5-50 लाख रुपये आमदनी व 1-3 लाख यात्री वाला एचजी2 में तथा 5 लाख रुपये आमदनी व एक लाख तक यात्री वाला स्टेशन एचजी3 में शुमार होगा।
4. अभी देश में कुल 8613 रेलवे स्टेशन हैं। इनमें 5976 गैर-उपनगरीय, 484 उप-नगरीय तथा 2153 हॉल्ट स्टेशन हैं। अभी तक इन सभी स्टेशनों को आमदनी व यात्री के अनुसार ए1, ए, बी, सी, डी, ई तथा एफ श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता था।

ब्रह्मपुत्र पर मालवाहक पोत को हरी झंडी

पूर्वोत्तर में अंतरदेशीय जलमार्ग परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देते हुए केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने ब्रह्मपुत्र से लगे पांडु-दुबरी मार्ग पर मालवाहक पोत की आवाजाही को हरी झंडी दिखाई। केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि सुगम आवाजाही के लिए नदी पर पांच पुल बनाए जाएंगे।

क्या है

1. माजुली द्वीप पर हरी झंडी दिखाने के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि ये पुल जोरहाट को नेमतीघाट, दिसांगमुख को टेकलीफुआ, लोउट को खबलू, नुमालीगढ़ को गोहपुर और उत्तरी गुवाहाटी को गुवाहाटी से जोड़ेंगे। बड़ी संख्या में यात्रियों और वाहनों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए यहां जल्द रोलऑन, रोलऑफ (रोरो) फेरी सेवा शुरू की जाएगी।
2. नदी किनारे आधुनिक और सभी सुविधाओं से लैस बंदरगाह बनाए जाने का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जलमार्ग दो-गुवाहाटी में पांडु से असम-बंगाल की सीमा से लगे धुबरी-के जरिए मालवाहक जहाज की आवाजाही से रसद लागत कम हो जाएगी और 300 किलोमीटर सड़क दूरी कम होगी।

भारत का पहला राष्ट्रीय रेल तथा परिवहन विश्वविद्यालय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मानव संसाधनों में कुशलता तथा क्षमता सृजन के लिये वड़ोदरा में देश के पहले राष्ट्रीय रेल तथा परिवहन विश्वविद्यालय (National Rail and Transport University – NRTU) को स्थापित करने को स्वीकृति प्रदान की। इस विश्वविद्यालय को यू.सी.जी. की नोवो श्रेणी (novo category) नियमन (Institutions Deemed to be Universities] Regulations), 2016 के अंतर्गत मानित विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया जाएगा।

क्या है

1. सरकार द्वारा अप्रैल 2018 तक इस संबंध में सभी आवश्यक स्वीकृतियाँ देने तथा जुलाई-2018 में इसके पहले शैक्षिक सत्र को शुरू करने की दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं।
2. इसके प्रबंधन के लिये रेल मंत्रालय कंपनी अधिनियम, 2013 के सेक्शन 8 के अंतर्गत एक गैर-लाभकारी कंपनी स्थापित की जाएगी।
3. कंपनी विश्वविद्यालय को वित्तीय तथा संरचना संबंधी समर्थन प्रदान करेगी तथा विश्वविद्यालय के कुलपति तथा प्रति-कुलपति की नियुक्ति भी करेगी।
4. पेशेवर लोगों तथा शिक्षाविदों वाला प्रबंधन बोर्ड प्रबंधक कंपनी से स्वतंत्र होगा।
5. साथ ही इसे अपने सभी अकादमिक तथा प्रशासनिक दायित्व निभाने की स्वायत्ता भी प्राप्त होगी।
6. इस विश्वविद्यालय के निर्माण हेतु वड़ोदरा स्थित भारतीय रेल की राष्ट्रीय अकादमी की वर्तमान भूमि और अवसंरचना का इस्तेमाल किया जाएगा।

7. यह एक पूर्णकालिक संस्थान होगा तथा इसमें तकरीबन 3,000 पूर्णकालिक विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे।
8. इस विश्वविद्यालय/संस्थान का वित्त-पोषण पूरी तरह से रेल मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।
9. इस विश्वविद्यालय की मुख्य योजना पढ़ाने के नए तरीकों तथा टेक्नोलॉजी एप्लीकेशनों (सैटेलाइट आधारित ट्रेकिंग, रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान तथा कृत्रिम गुप्तचर) को अपनाने पर बल देना है, ताकि ऑन-जॉब कार्य प्रदर्शन तथा उत्पादकता में सुधार लाया जा सके।

मिग-21 और मिग-27 की विदाई

मिग-21 और मिग-27 विमान की भारतीय वायुसेना से विदाई हो गई है। राजस्थान के नाल स्थित वायुसेना स्टेशन से मिग-21 एयरक्राफ्ट ने अपनी आखिरी उड़ान भरी। वहीं, मिग-27 एमएल ने बंगाल के हासिमारा वायुसेना ठिकाने के ऊपर आखिरी बार उड़ान भरी। इसके साथ ही वायुसेना ने मिग-21 और मिग-27 विमान को अलविदा कह दिया।

क्या है

1. वायुसेना प्रमुख बीएस धनोआ ने खुद अंतिम बार मिग-21 एयरक्राफ्ट को उड़ाया और इसको अंतिम बार उड़ाने का गौरव भी उन्हीं खाते में आ गया। वायुसेना प्रमुख धनोआ तीन दिवसीय राजस्थान के दौरे पर हैं।
2. राजस्थान के नाल स्थित वायुसेना ठिकाने से मिग-21 एयरक्राफ्ट को उड़ाया। मिग-21 ट्रेनर एयरक्राफ्ट वायुसेना के इसी ठिकाने से उड़ान भरते थे। वहीं, दूसरी ओर मिग-27 एमएल के आखिरी विमान ने बंगाल के हासिमारा वायुसेना ठिकाने के ऊपर अंतिम बार उड़ान भरी। इसके साथ ही भारतीय वायुसेना ने इस बेड़े को भी अलविदा कर दिया।
3. मिग-27 एमएल को भारत में बहादुर का नाम दिया गया था। इस विमान ने तीन दशक तक देश की उल्लेखनीय सेवा की। इसका रिकार्ड बहुत ही शानदार रहा है।
4. रूस में बने इस विमान का इंजन सबसे शक्तिशाली इंजनों में से एक था। स्क्वाड्रन प्रमुख गुप कैप्टन एसएल महाजन ने आखिरी एमएल विमान को अंतिम बार उड़ाने का गौरव हासिल किया।

हेट स्पीच कानून का होगा विस्तार

विधि आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में हेट स्पीच या घृणा वाक् का दायरा बढ़ाए जाने की अनुशंसा की है। विधि आयोग के अनुसार हेट स्पीच के अंतर्गत नस्ल, जाति, लिंग, यौन-उन्मुखता आदि के आधार पर किसी समूह के खिलाफ घृणा फैलाने के कृत्य शामिल हैं। भय या घृणा फैलाने वाले अथवा हिंसा को भड़काने वाले भाषण का लिखित रूप में या बोलकर अथवा संकेत द्वारा प्रेषित किया जाना ही हेट स्पीच है।

क्या है

1. हेट स्पीच या घृणा वाक् भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के समक्ष चुनौती उत्पन्न करता है।
2. यह सांप्रदायिक वैमनस्य को बढ़ावा देता है और देश के धर्मनिरपेक्ष ढाँचे को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है।
3. यह युवाओं में अतिवाद को बढ़ावा देता है। देखा गया है कि हेट स्पीच के प्रभाव में आकर कश्मीरी युवा देश विरोधी गुटों में शामिल हो जाते हैं।
4. हेट स्पीच से अल्पसंख्यकों के मन में असुरक्षा की भावना बढ़ती है और यह अल्पसंख्यकों तथा बहुसंख्यकों के बीच खाई को बढ़ाता है।
5. देश में हुए गोधरा दंगे, बाबरी विध्वंस आदि कहीं न कहीं हेट-स्पीच से जुड़ी या उसके द्वारा भड़काई गई घटनाएँ हैं।
6. इसके संबंध में विधि आयोग की सिफारिशें
7. 'घृणा फैलाने पर रोक' के लिये भारतीय दंड संहिता में संशोधन कर नई धारा 153(ब) जोड़ी जाए।

भारत चार देशों के 31 उपग्रह करेगा लॉन्च

भारत 10 जनवरी को आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित अपने अंतरिक्ष केंद्र से पृथ्वी अवलोकन उपग्रह कार्टोसैट सहित 31 उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगा। इनमें 28 उपग्रह अमेरिका के हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के निदेशक देवी

प्रसाद कार्णिक ने बताया, शहमने एक साथ कार्टोसैट और अन्य उपग्रहों को ले जाने वाले रॉकेट को छोड़ने का समय सुबह 9.30 बजे निर्धारित किया है। इनमें से 28 उपग्रह अमेरिका के और तीन अन्य देशों के होंगे।

क्या है

1. 2018 के इस पहले अंतरिक्ष अभियान के तहत ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-सी440) के जरिये 31 उपग्रह छोड़े जाएंगे।
2. इस अभियान से चार महीने पहले 31 अगस्त को इसी तरह का रॉकेट पृथ्वी की निचली कक्षा में भारत के आठवें नौवहन उपग्रह को पहुंचाने में विफल रहा था।
3. इसरो के निदेशक ने कहा, श्रद्धंखला का छठा कार्टोसैट और अन्य उपग्रहों को रॉकेट के साथ अंतरिक्ष केंद्र में एकीकृत कर दिया गया है।
4. मिशन लॉन्च बोर्ड दो दिन पूर्व उल्टी-गिनती के तहत रॉकेट के प्रस्थान का समय तय करेंगे। इस मिशन में कार्टोसैट-2 के अलावा भारत का एक नैनो उपग्रह और एक माइक्रो उपग्रह भी लॉन्च किया जाएगा।

अन्तरराष्ट्रीय

एंफीबिअस विमान ने भरी पहली उड़ान

चीन के पहले एंफीबियस (उभयचर) विमान ने अपनी पहली उड़ान पूरी की। विमान ने दक्षिण चीन सागर के विवादित तटीय शहर झुहाई से उड़ान भरी। इस विमान को दुनिया का सबसे बड़ा विमान माना जा रहा है। चीन सैन्य क्षमता बढ़ाने में जुटा हुआ है और इस विमान की सफल उड़ान से चीन की शक्ति में वृद्धि होगी। चीन ने धमाल मचा रखा है। जो चाहे वो कर देता है। हमारे नेता जनता में फूट डाल कर और चुनाव जीत कर खुश हो जाते हैं।

क्या है

1. विमान एजी600 ने सफलतापूर्वक जिनवान असैन्य हवाईअड्डे से उड़ान भरी। इसका कोड नेम शकुनलांगर है।
2. ग्वांगदोंग प्रांत में झुहाई एक बंदरगाह है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, एजी600 के चीफ डिजाइनर हुआंग लिंगकाई ने कहा, श्रद्धं सफल उड़ान ने चीन को दुनिया के बड़े एंफीबियस विमान विकसित करने में सक्षम कुछ देशों में शुमार कर दिया है।
3. विमान को विकसित करने वाले सरकारी एविएशन इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन चाइना (एवीएआईसी) ने कहा कि विमान 4 घरेलू टर्बोप्राप इंजन द्वारा संचालित है और इसका ढांचा 39.6 मीटर लंबा है।
4. एवीआईसी सूत्रों के अनुसार, एंफीबियस विमान अधिकतम 53.5 टन भार वहन कर सकता है और इसकी रफ्तार 500 किमी प्रति घंटा है। विमान एक बार में 12 घंटे तक उड़ान भर सकता है।
5. रिपोर्ट के मुताबिक स्वदेशी तकनीक से विकसित दुनिया के सबसे बड़े उभयचर विमान का इस्तेमाल मुख्य रूप से समुद्र में बचाव कार्य, जंगल में लगी आग बुझाने और समुद्र की निगरानी में किया जाएगा।
6. राहत और बचाव अभियान के दौरान यह विमान 50 लोगों को ढो सकता है और आग बुझाने के लिए 20 सेकेंड में 12 टन पानी संग्रह कर सकता है। एक बार ईंधन भरने के बाद 370 टन पानी ढो सकता है।

दुनिया की पहली स्पेट्स कार जो जाएगी 'डंते' पर!

सड़क पर दौड़ने वाली दुनिया की सबसे तेज कारों में से एक टेस्ला कंपनी की स्पेट्स कार अब मंगल ग्रह पर जाने वाली है। इस कार को नासा के स्पेस रॉकेट Saturn V Apollo 11 के लॉन्च पैड से ही अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। दुनिया की सबसे बड़े स्पेस उपकरण बनाने वाली कंपनी Space X के संस्थापक इलॉन मस्क ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुनिया की सबसे तेज दौड़ने वाली कारों में शामिल श्मेसं त्वंकेजमतशको अगले महीने मंगल मिशन पर भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार को उन्ही की कंपनी द्वारा बनाए गए स्पेस क्राफ्ट थंसबवद भ्मंअल के जरिए मार्स के ऑर्बिट पर भेजा जाएगा। ये रॉकेट उसी लॉन्च पैड से लॉन्च किया जाएगा जहां से चांद पर जाने वाला नासा का स्पेस शटल

Saturn V Apollo 11 टेक ऑफ करेगा। आपको बता दें कि Falcon Heavy रॉकेट, टेस्टिंग के लिए मंगल ग्रह की कक्षा में भेजा जा रहा है।

क्या है

1. टेस्ला रोड्स्टर दुनिया की पहली स्पोर्ट्स कार है जो मंगल के ऑर्बिट में प्रवेश करेगी। मस्क ने कहा, शराम तौर पर टेस्टिंग के लिए भेजे जाने वाले रॉकेट में स्टील के ब्लॉक रखकर भेजे जाते हैं।
2. कार निर्माता टेस्ला कंपनी के सीईओ भी इलॉन मस्क ही हैं। ज्मेसं त्वंकेजमत सिर्फ 1.9 सैकंड में 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफतार पकड़ लेती है और महज 4.2 सैकंड में ये 160 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड पर पहुंच जाती है। इसकी अधिकतम स्पीड करीब 400 किलोमीटर प्रतिघंटा है।

लाइबेरिया के राष्ट्रपति निर्वाचित

पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी जॉर्ज विया लाइबेरिया के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। चुनाव के सभी वोटों की गिनती के बाद विया अपने प्रतिद्वंद्वी जोसेफ बोआकार्ई से 60 फीसदी से ज्यादा मतों से आगे रहे। जैसे ही विया की जीत की खबर सामने आई, उनके समर्थकों ने राजधानी मोनरोविया में जश्न मनाना शुरू कर दिया। विया, एलेन जॉनसन सरलीफ की जगह लेंगे। परिणाम की घोषणा होने के बाद विया ने ट्वीट किया, शमेरे साथी लाइबेरिया के नागरिकों, मैं समूचे देश की भावना को गहराई से महसूस कर रहा हूँ।

क्या है

1. विया अफ्रीका के एकमात्र ऐसे फुटबॉलर हैं जो फीफा वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर और प्रतिष्ठित बैलन डीऑर पुरस्कार के विजेता हैं।
2. साल 2002 में फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद विया ने राजनीति में प्रवेश किया। फिलहाल वह लाइबेरियाई संसद में सेनेटर हैं।
3. सरलीफ ने बर्बर गृह युद्ध के खत्म होने के बाद 2005 के राष्ट्रपति चुनाव में विया को मात दी थी और एक साल बाद पद ग्रहण किया था।

दुनिया का पहला सोलर हाई-वे

चीन ने दुनिया का पहला फोटोवोल्टिक सोलर हाई-वे बनाया है। इसे वाहनों के लिए खोला गया। इस पूरे प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 50 किमी से ज्यादा है। हालांकि अभी पहले फेज में एक किमी हाई-वे को शुरू किया गया है। इस सोलर एनर्जी से सर्दियों में हाई-वे पर जमी बर्फ पिघलेगी। इसके लिए स्नो मेल्टिंग सिस्टम लगाए गए हैं। एक्सप्रेस-वे पर लगी लाइट्स भी जलेंगी। इससे हाई-वे पर इलेक्ट्रिक गाड़ियां भी चार्ज की जा सकेगी। इस हाई-वे को शेनडांग प्रांत की राजधानी जिनान में बनाया गया है।

क्या है

1. एक किमी हाई-वे के जरिए एक साल में 10 लाख किलोवाट बिजली बनाई जा सकेगी। इससे हर साल 800 घरों को बिजली मिलेगी।
2. इस हाई-वे की लाइफ 20 साल है। सोलर पैनल्स हाई-वे की दो लेन में लगाए गए हैं।
3. 1 किमी हाई-वे पर 5,875 वर्ग मीटर इलाके को सोलर पैनल्स से कवर किया है।
4. यह हाई-वे सामान्य हाई-वे की तुलना में 10 गुना ज्यादा प्रेशर झेल सकता है।
5. एक वर्गमीटर सड़क पर सोलर पैनल लगाने की लागत करीब 30 हजार रुपए है।
6. चीन दुनिया में फोटोवोल्टिक सोलर एनर्जी उत्पादन में पहले नंबर पर है। वह हर साल 78 गीगावाट बिजली पैदा कर रहा है। उसने 2020 तक 105 गीगावाट का लक्ष्य रखा है। हूईनान में दुनिया का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट शुरू किया है।

चीनी सेना की ताकत बढ़ी

पानी और धरती पर उड़ान भरने में सक्षम चीन के घरेलू निर्मित विशालकाय विमान की दक्षिणी चीनी समुद्र से पहली उड़ान सफल रही और इससे चीनी सेना की क्षमता में जोरदार इजाफा हो गया है। दरअसल चीन की अपने पड़ोसियों के साथ विवादित चीनी क्षेत्र में विभिन्न मसलों पर काफी लंबे समय से तनातनी चल रही है और इस विमान के विकसित होने से चीनी सेना और मजबूत बन गई हैं। सरकारी टेलीविजन ने इस विशालकाय विमान एजी 600 की जुलाई हवाई अड्डे से उड़ान भरते समय की है।

क्या है

1. यह विमान चीन के समुद्री क्षेत्रों, द्वीपों और अन्य क्षेत्रों की रक्षा करने में सक्षम है। पहले इसकी उड़ान इसी वर्ष के शुरू में तय की गई थी लेकिन कुछ कारणों से इसे टाल दिया गया और कुछ परीक्षण अप्रैल में किए गए थे।
2. इस विमान को चीन की सरकारी कंपनी एविएशन इंडस्ट्री कोर आफ चीन ने विकसित किया है और इसे विकसित करने में आठ वर्ष का समय लगा है।
3. चार टबोप्रॉप इंजन वाले इस विमान का आकार बोइंग सीओ 737 के बराबर का है और इसमें कम से कम 50 सैनिकों के अलावा अन्य साजो सामान भी ले जाया जा सकता है और यह 20 सेंकड में 12 टन पानी का जोरदार छिड़काव कर सकता है। इसका इस्तेमाल आग बुझाने और अन्य कृषि उपयोगी कार्यों में किया जा सकता है।
4. यह विमान एक बार में चीन के हेनान प्रांत से मलेशिया के बोर्नियो द्वीप तक उड़ान भर कर 4500 किलोमीटर तक दूरी तय कर सकता है। पारंपरिक हवाई अड्डों के अलावा यह जमीन और पानी में भी उतर सकता है और यहीं से उड़ान भी भर सकता है। चीन इसे अपने सैन्य आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर मान रहा है।

जैविक हथियार बना रहा उत्तर कोरिया

अपने परमाणु और मिसाइल परीक्षणों से दुनियाभर के लिए खतरा पैदा करने वाले उत्तर कोरिया पर गुपचुप तरीके से जैविक हथियार बनाने का भी शक जताया जा रहा है। दक्षिण कोरिया के स्थानीय मीडिया ने दक्षिण कोरियाई खुफिया अधिकारी के हवाले से दावा किया है कि हाल ही में उत्तर कोरिया से भागकर दक्षिण कोरिया पहुंचे एक सैनिक के खून में खतरनाक 'एंथ्रेक्स' वायरस पाया गया है। सैनिक की पहचान उजागर नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि यह वही है, जो नवंबर में प्योंगयांग से भाग आया था। उसके भागने का वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें साथी सैनिक उस पर गोली चलाते देखा जा सकता है। इस सैनिक को चार गोलियां भी लगी थीं, लेकिन वह जिंदा बचकर दक्षिण कोरिया पहुंचने में सफल रहा था। फिलहाल उसका यहां के अस्पताल में इलाज चल रहा है।

क्या है

1. जानकारी के मुताबिक भागने से पहले या तो वह इस खतरनाक वायरस की चपेट में आ गया या फिर उसके शरीर में इंजेक्शन के जरिए 'एंथ्रेक्स' को डाला गया है। हाल ही में ऐसी खबरें उत्तर कोरिया जैविक हथियार बना रहा है। इसके तहत वह अपनी बैलिस्टिक मिसाइल में वह 'एंथ्रेक्स' वायरस का इस्तेमाल कर सकता है।
2. प्योंगयांग एक दशक से जैविक हथियार बनाने की जुगत में है। सैनिक के शरीर में हेपेटाइटिस-बी के लक्षण और 10 इंच लंबा परजीवी भी पाया गया है, जिससे विशेषज्ञों का शक गहरा गया है।
3. माना जा रहा है कि वह आर्मी स्टाफ सार्जेंट है, जिसकी तैनाती संयुक्त राष्ट्र के युद्धविराम संधि वाले गांव में तैनात था। हालांकि एक संभावना यह भी है कि यह जवान 23 दिसंबर को फरार हुआ सैनिक भी हो सकता है।
4. पिछले हफ्ते ही जापान के एक समाचार पत्र ने उत्तर कोरिया के जैविक हथियार विकसित करने की आशंका जताई थी। उसने दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसी से जुड़े एक अज्ञात व्यक्ति के हवाले से कहा था कि उत्तर कोरिया एंथ्रेक्स वायरस वाले जैविक हथियार का परीक्षण करने की तैयारी में है।
5. जापानी समाचार पत्र ने यह भी दावा किया था कि अमेरिका भी इसे लेकर सतर्क है। इसलिए इस बात की जांच की जा रहा है कि एंथ्रेक्स वायरस उच्च तापमान में जीवित रह सकता है या नहीं। हालांकि उत्तर कोरिया इन सभी आरोपों को खारिज करता रहा है।

एंथ्रेक्स का कैसे हो सकता है इस्तेमाल:

1. एंथ्रेक्स एक खतरनाक बीमारी का वायरस है, जिसका इस्तेमाल मिसाइल, बम और रॉकेट में रखकर किया जा सकता है। यही नहीं एंथ्रेक्स वायरस को विमान के जरिए बहुत बड़े क्षेत्र में फैलाया जा सकता है।
2. यह वायरस इतना खतरनाक है कि एक बार फैलने के बाद इसका असर दशकों तक रहेगा। यह कितना घातक साबित हो सकता है, यह इसकी मात्रा पर निर्भर करेगा।
3. शुरुआत में इसकी वजह से फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देंगे। इसके बाद तेज बुखार, छाती में दर्द और सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। 2 से 3 दिनों के भीतर इस वायरस की वजह से मौत हो सकती है।

अर्थशास्त्र

जीएसटी काउंसिल ने ई-वे बिल को दी मंजूरी

जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) काउंसिल ने 16 दिसम्बर को अपनी 24वीं बैठक में महत्वपूर्ण ई-वे बिल पर हामी भरते हुए इसे 1 फरवरी 2018 से अनिवार्य कर दिया है। अब सामान को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाने पर यह नियम लागू होगा। सूत्रों के अनुसार यह जानकारी सामने आई है। कुछ राज्य स्वैच्छिक आधार पर 1 फरवरी से अंतरराज्यीय (राज्य के भीतर) और अंतरराज्यीय (राज्यों के भीतर) ई-वे बिल दोनों को लागू कर सकते हैं। वहीं ई-वे बिल के लिए सिस्टम 15 जनवरी से उपलब्ध करवा दिया जाएगा। सूत्र के मुताबिक वहीं राज्यों के भीतर ई-वे बिल 1 जून से अनिवार्य होगा। वहीं राज्य के भीतर ई-वे बिल लागू करने का काम फरवरी से ही शुरू कर दिया जाएगा।

क्या है ई-वे बिल

1. अगर किसी वस्तु का एक राज्य से दूसरे राज्य या फिर राज्य के भीतर मूवमेंट होता है तो सप्लायर को ई-वे बिल जनरेट करना होगा।
2. अहम बात यह है कि सप्लायर के लिए यह बिल उन वस्तुओं के पारगमन (ट्रांजिट) के लिए भी बनाना जरूरी होगा जो जीएसटी के दायरे में नहीं आती हैं।
3. इस बिल में सप्लायर, ट्रांसपोर्ट और ग्राही (त्नबपचपमदजे) की डिटेल् दी जाती है। अगर जिस गुड्स का मूवमेंट एक राज्य से दूसरे राज्य या फिर एक ही राज्य के भीतर हो रहा है और उसकी कीमत 50,000 रुपए से ज्यादा है तो सप्लायर (आपूर्तिकर्ता) को इसकी जानकारी जीएसटीएन पोर्टल में दर्ज करानी होगी।

स्मार्ट सिटी के लिए जारी फंड का सात फीसदी हुआ खर्च

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 60 शहरों के लिए 9860 करोड़ रुपये जारी किए गए थे, जिनमें से महज सात फीसदी या करीब 645 करोड़ रुपये का ही उपयोग हुआ है। जो यह शहरी मंत्रालय के लिए एक चिंता का कारण है।

क्या है

1. करीब 40 शहरों में से प्रत्येक को 196 करोड़ रुपये जारी किए गए, जिसमें से अधिकतम 80.15 करोड़ रुपये अहमदाबाद ने खर्च किए।
2. इसके बाद इंदौर ने 70.69 करोड़, सूरत ने 43.41 करोड़ और भोपाल ने 42.86 करोड़ रुपये खर्च किए। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों से यह बात सामने आई है।
3. आंकड़ों से खुलासा हुआ कि स्वीकृत धन में अंडमान एवं निकोबार ने महज 54 लाख रुपये, रांची ने 35 लाख रुपये और औरंगाबाद ने 85 लाख रुपये ही खर्च किए।
4. मंत्रालय के एक अधिकारी ने कुछ शहरों में परियोजनाओं की असंतोषजनक प्रगति पर चिंता जताई है।

सेबी ने दी यूनीवर्सल एक्सचेंज को मंजूरी

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड की बोर्ड बैठक में यूनीवर्सल एक्सचेंज को मंजूरी दे दी गई। इस मंजूरी के अमल में आने के बाद अब एक ही प्लेटफॉर्म पर शेयर और कमोडिटीज की ट्रेडिंग की जा सकेगी। इसके लिए अक्टूबर 2018 की डेडलाइन निर्धारित की गई है। यानी इस अवधि तक यूनीवर्सल स्टॉक एक्सचेंज अस्तित्व में आ जाएंगे। सेबी की इस बोर्ड बैठक में कई अन्य फैसले भी लिए गए। साथ ही इस बैठक में क्रेडिट रेटिंग कंपनियों के लिए भी कुछ फैसले किए गए। इतना ही नहीं सेबी कोशिश कर रहा है कि आरईआईटी (REITs) के लिए नियमों को सरल और तर्कसंगत बनाया जाएगा।

क्या है

1. इस बैठक में लिस्टेड कंपनियों के लिए कुछ शर्तों के साथ डिस्कलोजर नियमों को भी मंजूरी दी गई। वहीं CRA के न्यूनतम नेटवर्थ को 5 करोड़ से बढ़ाकर 25 करोड़ कर दिया गया है। वहीं ल्ब की लिस्टिंग बढ़ाए जाने की बात भी कही गई है।
2. सेबी ने बताया कि यूनिवर्सल स्टॉक एक्सचेंज के अस्तित्व में आ जाने के बाद स्टॉक्स और कमोडिटीज की एक साथ ट्रेडिंग की जा सकेगी। इससे क्रॉस लिस्टिंग भी आसान हो जाएगी।
3. सेबी चेरमैन अजय त्यागी ने बताया कि क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को एक प्रशासन संरचना की जरूरत है। उन्होंने कहा कि क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की समीक्षा की जाएगी। वहीं बोर्ड ने क्रेडिट रेटिंग कंपनियों के लिए नए नियमों को भी मंजूरी दी है।
4. सिक्योरिटीज प्राप्ति भी अब सूचीबद्ध हो सकती हैं और स्टॉक एक्सचेंजों पर कारोबार कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि सेबी ने म्युचुअल फंड नियमों में भी थोड़ा बदलाव किया है ताकि स्पॉन्सर से जुड़े हितों के टकराव की स्थिति को रोका जा सके। एक म्युचुअल फंड के प्रायोजक की अन्य एमएफ हाउस में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी नहीं हो सकती है।

बैंकों के लिए आरबीआई के नौ सूत्रीय गुरुमंत्र

आरबीआई ने सीधे तौर पर तो नहीं कहा है लेकिन देश के बैंकों के ढांचे को सुधारने के लिए उसने एक नौ सूत्रीय फार्मूला दिया है जिसका लब्बोलुबाब यही है कि इन बैंकों के स्तर पर हालात को बेहतर बनाने के लिए कई स्तरों पर काम करना होगा।

क्या है

1. आरबीआई का पहला फार्मूला यह है कि ग्राहकों की मांग और जरूरत के मुताबिक इन बैंकों को वित्तीय सेवा उत्पाद उतारने होंगे। इन्हें हर कीमत पर कर्ज की रफ्तार बढ़ानी होगी ताकि निवेश की प्रक्रिया को बढ़ावा मिले। यह सुझाव इसलिए अहम है कि वर्ष 2016-17 में सरकारी क्षेत्र के बैंकों की तरफ से दिए जाने वाले कर्ज की रफ्तार बेहद पिछले कई दशकों के मुकाबले सबसे सुस्त रही है।
2. दूसरा सुझाव यह है कि बैंकों को अपनी बैलेंस शीट को साफ सुथरा करना होगा। इसके लिए इन्हें सरकार की तरफ से तैयार दिवालिया कानून इंसॉलवेंसी व बैंकक्रप्सी कोड (आईबीसी) का सहारा लेना होगा। बैंकों को कहा गया है कि वे नियामक एजेंसियों और कानून बनने का इंतजार नहीं करें बल्कि हिसाब किसाब किस तरह से साफ सुथरी रखी जाए, इसका इंतजाम अपने स्तर पर ही करें। सनद रहे कि पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन के कार्यकाल में बैंकों को सभी तरह के फंसे कर्जे (एनपीए) को सार्वजनिक करने का निर्देश दिया गया था। अभी तक बैंकों के स्तर पर एनपीए छिपाने का काम किया जा रहा था।
3. आरबीआई की तरफ से तीसरा सुझाव यह है कि वे ग्राहकों की शिकायतों को सुलझाने के लिए विशेष निकाय का गठन करें। यह निकाय ग्राहकों के हितों की रक्षा के मौजूदा तंत्र को मजबूत बनाएगा।
4. चौथा सुझाव केंद्रीय बैंक ने कारपोरेट गवर्नेंस के बारे में देते हुए कहा है कि इस बढ़ावा दे कर बैंक और देश का वित्ताय ढांचा दोनों मजबूत होंगे। इसके लिए बैंकों को सारे नियम कानून को मजबूती से लागू करने का सुझाव दिया गया है।
5. इसके बाद पांचवा सुझाव यह है कि अप्रैल, 2018 से बैंक लागू होने वाले एकाउंटिंग स्टैंडर्ड को सही तरीके से लागू करें। माना जा रहा है कि इससे बैंकों के लिए भविष्य में फंसे कर्जे को छिपाना बिल्कुल असंभव हो जाएगा।

6. छठा सुझाव यह है कि ग्राहकों से तमाम तरह की जो फीस वसूली जाती है उसको तय करने और उसे लागू करने को लेकर पूरी तरह से पारदर्शिता बरती जाए।
7. सातवां सुझाव यह है कि बैंकों को अब तकनीकी को अपनाने में कोई देरी नहीं करनी होगी। सनद रहे कि देश के सरकारी बैंक तकनीकी को अपनाने में अभी भी काफी सुस्त हैं। आरबीआई का कहना है कि बैंकों को ऐसी तकनीकी लानी होगी जिससे आम ग्राहकों को बेहतर सेवा दी जा सके। आने वाले दिनों में बैंकिंग कारोबार में सफल होने का यही मंत्र होगा।
8. आठवां सुझाव यह है कि लघु और मझोले उद्योगों पर फोकस बढ़ाना होगा।
9. इसके बाद नवां और अंतिम सुझाव यह है कि बैंकों को साइबर अपराध रोकने के लिए मुकम्मल तैयारी करनी होगी।

बिटकॉइन मामले में आयकर विभाग ने HNI को जारी किये नोटिस

वर्चुअल करंसी बिटकॉइन में निवेश और ट्रेडिंग की जांच के दौरान आयकर विभाग अब देशभर से चार से पांच लाख हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) को नोटिस भेजने की तैयार कर रहा है। ये वो लोग हैं जो बिना नियमन वाले एक्सचेंज पर ट्रेड कर रहे थे। कर अधिकारी ने बीते सप्ताह देशभर के नौ ऐसे एक्सचेंज पर छापेमारी की थी जहां विभाग को टैक्स चोरी का शक था। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि विभाग को पता चला है कि करीब 20 लाख एंटीटी इन एक्सचेंज पर रजिस्टर्ड थीं। इनमें से चार से पांच लाख ऑपरेशनल थे साथ ही लेनदेन और निवेश में सम्मिलित थे।

क्या है

1. कर विभाग के बेंगलुरु इन्वेस्टिगेशन विंग ने बीते सप्ताह के कामकाज की समीक्षा की है। विभाग ने अब ऐसे इंडिविजुअल्स और एंटीटीज के बारे में जानकारी जारी कर दी है।
2. इस ऑपरेशन से जुड़े एक अधिकारी ने बताया, “विभाग को जिन इंडिविजुअल्स और एंटीटीज के रिकॉर्ड्स मिले हैं अब उनकी टैक्स चोरी के संबंध में जांच की जाएगी। इस संबंध में नोटिस जारी किये जा रहे हैं और साथ ही इन लोगों को बिटकॉइन में हुए निवेश या ट्रेड पर कैपिटल गेन टैक्स का भुगतान करना होगा।”
3. आयकर विभाग ने हाल ही में देशभर के बड़े बिटकॉइन एक्सचेंज पर छापेमारी की थी। विभाग को यहां कथित रूप से टैक्स चोरी का शक था। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी थी।
4. विभाग की अन्य टीमों के अधिकारियों ने बेंगलुरु इन्वेस्टिगेशन विंग के तहत देश के नौ ऐसे एक्सचेंजों के परिसर का दौरा किया है जिनमें दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोच्चि और गुरुग्राम शामिल है।
5. यह छापेमारी इनकम टैक्स एक्ट की धारा 133ए के तहत की गई थी। इसका उद्देश्य निवेशकों और ट्रेडर्स की पहचान, उनकी ओर से किये गये ट्रांजेक्शन, इस्तेमाल किये गये बैंक एकाउंट आदि के संबंध में साक्ष्य जमा करना है।

इंडियन इकोनॉमी के बेहतर है साल 2018

साल 2018 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिहाज से बेहतर साबित होने वाला है। भारत अगले साल ब्रिटेन और फ्रांस को पछाड़ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (डॉलर के संदर्भ में) बन सकता है। हाल ही में जारी की गई एक रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है। रिपोर्ट में क्या कहा गया: सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड बिजनेस रिसर्च (सीईबीआर) कंसल्टेंसी के 2018 वर्ल्ड इकोनॉमिक लीग टेबल में ऊर्जा एवं तकनीक के सस्ते साधनों की बदौलत वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज वृद्धि का अनुमान जताया गया है। सीईबीआर के डेप्युटी चेयरमैन डगलस मैकविलियम्स ने बताया, “हालिया झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था 2018 में फ्रांस और यूके से आगे निकल सकती है और इसमें डॉलर के संदर्भ में दोनों को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाएं हैं।”

क्या है

1. अगले डेढ़ दशक तक रहेगा एशिया का दबदबा: इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगले डेढ़ दशक (15 साल) तक एशियाई अर्थव्यवस्थाओं का दबदबा रहने वाला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इसी ट्रैक पर आगे बढ़ रहा है।

2. नोटबंदी ने सुस्त भी इंडियन इकोनॉमी की रफ्तार: मैकविलियम्स ने माना कि 8 नवंबर 2017 को लिए गए नोटबंदी के फैसले और 1 जुलाई 2017 को लागू किए गए जीएसटी के कारण देश की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है।
3. इससे पहले रॉयटर्स के सर्वे में भी अर्थशास्त्रियों ने भी ऐसी ही बात कही थी। वहीं इस रिपोर्ट में यह दावा भी किया गया है कि साल 2032 तक चीन यूएस को पछाड़कर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है।

विज्ञान एवं तकनीकी

ये है देश का पहला ऑटोमेटिक वर्मी कंपोस्ट प्लांट

दिल्ली में पढ़े-लिखे कर्ण सीकरी ने 2004 में कुरुक्षेत्र जिले (हरियाणा) के शाहाबाद क्षेत्र स्थित गांव डंगाली में पुश्तैनी जमीन में खेती शुरू की। 20 एकड़ में गन्ना, फूल व सब्जी में नए प्रयोग किए, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। उन्होंने हौसला नहीं छोड़ा। ग्रेजुएशन और एमबीए की पढ़ाई के साथ खेती में प्रयोग जारी रहा। कर्ण ने वर्मी कंपोस्ट खाद बनाने का काम शुरू किया। देश का पहला ऑटोमेटिक वर्मी कंपोस्ट खाद प्लांट लगाया। शार्टिंग, ग्रेडिंग, पैकिंग व लोडिंग सबकुछ स्वतः होती है। केचुए के लिए ऑटोमेटिक फॉगिंग होती है। चार करोड़ का यह प्रोजेक्ट पांच एकड़ जमीन में है। वह बताते हैं कि विश्व की सबसे अच्छी तकनीकी से जैविक खाद बनाई जा रही है।

क्या है

1. कर्ण ने कृषि क्षेत्र में नई तकनीक की खोज की। गन्ने की एस-1 और एस-2 नई किस्म का इजाद किया। इस किस्म को लगाने वाले किसानों ने अपनी फसल को दोगुना किया है।
2. कर्ण का प्रयास है कि फार्म हाउस को टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित किया जाए, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर के किसान आएँ और खेती की नई तकनीकी सीखें। अभी भी हर साल करीब 400 किसान फार्म हाउस का दौरा कर रहे हैं।
3. खेती में कर्ण का साथ देने के लिए पत्नी यशिका ने बैंक मैनेजर की नौकरी छोड़ दी। यशिका दिल्ली छोड़कर सीकरी फार्म हाउस में मार्केटिंग और फाइनेंस का काम देखती हैं। कर्ण मानते हैं कि उन जैसे साधारण युवक को प्रगतिशील किसान बनाने का सारा श्रेय प्रदेश सरकार को जाता है। उन्होंने एचटीआइ उचानी और कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र से मधुमक्खी पालन, जैविक खेती, डेयरी फार्मिंग, केचुआ खाद आदि बनाने का प्रशिक्षण लिया।
4. 2017 में 16 जुलाई को जैविक खाद तैयार करने पर केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन ने कर्ण को जगजीवन राम किसान अभिनव राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा। प्रदेश सरकार की ओर से सर्वोत्तम कृषक बागवानी पुरस्कार 2005 में दिया गया।
5. हिसार में 2007 में राज्य सरकार ने अच्छी गुणवत्ता के लिए प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर सरकार की तरफ से भी अच्छी जैविक खाद के लिए उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।

जीन एडिटिंग से बढ़ सकती सुनने की क्षमता

आनुवांशिक रूप से बहरेपन के शिकार लोगों का भी इलाज हो सकने की उम्मीद जगी है। अमेरिका के हार्वर्ड ह्यूंस मेडिकल इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने पहली बार जेनेटिंग म्यूटेशन (डीएनए के क्रम में होने वाला स्थायी बदलाव) पर केंद्रित इलाज का पता लगाया है।

क्या है

1. वैज्ञानिकों ने जीन एडिटिंग तकनीक का प्रयोग चूहों पर किया। ऐसा एक इंजेक्शन के सहारे किया गया। इन चूहों की सुनने की क्षमता लगातार घट रही थी।
2. टीएमसी-ए जीन में हुए म्यूटेशन के कारण कान की आंतरिक संरचना में हेयर सेल्स को नुकसान पहुंचता है। ये हेयर सेल्स ही आवाज की पहचान करती हैं। इस तरह कोशिकाएं कान के अंदर बालों से ढकी रहती हैं।
3. टीएमसी-1 में हुए म्यूटेशन के कारण ही मनुष्य की भी सुनने की क्षमता कम हो जाती है। जीनोम एडिटिंग तकनीक के लिए सीआरआईएसपीआर आधारित टूल वाले इंजेक्शन को चूहों के कान में दिया गया।

4. आठ हफ्ते बाद इलेक्ट्रॉड का प्रयोग कर चूहों के सुनने की क्षमता की जांच की गई। जिन चूहों का इलाज हुआ था, उनके सुनने की क्षमता बढ़ गई।

सौरमंडल के जन्म के रहस्य से उठा पर्दा

अभी तक यह रहस्य बना हुआ था कि हमारे सौर मंडल का जन्म कैसे हुआ। एक नए अध्ययन में पता चला है कि एक विशालकाय लंबे समय से मृत तारे के आसपास हवा के बुलबुले बनने से हमारा सौर मंडल बना। ब्रह्मांड के बारे में कई रोचक खोजें होने के बावजूद वैज्ञानिक अब भी इस बात को लेकर आश्चर्य नहीं है कि आखिरकार हमारे सौर मंडल के जन्म की कहानी क्या है।

क्या है

1. आम तौर पर यह कहा जाता है कि एक सुपरनोवा के समीप अरबों वर्ष पहले हमारा सौर मंडल बना। खगोलशास्त्र में सुपरनोवा किसी तारे के भयंकर विस्फोट को कहते हैं। नए अध्ययन के मुताबिक, सौरमंडल का जन्म वॉल्फ रायेट स्टार नाम के एक विशालकाय तारे से शुरू होता है जो सूर्य के आकार से 40 से 50 गुना अधिक बड़ा है।
2. जैसे ही वॉल्फ रायेट तारे का आकार फैलता है तो इसके चारों ओर से गुजरने वाली तारकीय हवा एक गहरे खोल के साथ बुलबुले बनाती है। अमेरिका में शिकागो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर निकोलस डॉफास ने कहा, शरपेसे बुलबुले का खोल तारों को पैदा करने के लिए सही स्थान है क्योंकि धूल और गैस इसके अंदर फंस जाते हैं जहां वे तारों में बदल सकते हैं।
3. एस्ट्रोफिजिकल पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार ऐसी तारकीय नर्सरियों में सूरज के जैसे एक से 16 फीसदी तारे बन सकते हैं। अंतरिक्ष की बाहरी कक्षा में धूल और गैस के बादल को तारकीय नर्सरी कहते हैं जहां धूल और गैस के संपर्क में आने से तारे बनते हैं।

छिपकली और कछुओं की 100 नई प्रजातियां मिली

दुनिया की अलग-अलग प्रजातियों के लिए बसने के लिहाज से सबसे संपन्न इलाकों में शामिल मेकॉन्ग नदी के क्षेत्र में वैज्ञानिकों ने नई खोज की है। इस क्षेत्र में पिछले साल 100 से ज्यादा नई प्रजातियों की खोज हुई है। रिसर्चरों ने पाया कि स्थानीय बाजार में बिक्री के लिए रखी गई मगरमच्छ जैसी दिखने वाली छिपकली और थाई कछुआ इन नई प्रजातियों में शामिल हैं।

क्या है

1. मेकॉन्ग नदी के आसपास स्थित दक्षिणपूर्वी एशियाई देश हैं जो विश्व के सबसे समृद्ध जैव विविधता वाले देश हैं। इनमें थाईलैंड, म्यांमा, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं। इस क्षेत्र में वैज्ञानिक हर साल बड़ी संख्या में नई प्रजातियों की खोज करते हैं।
2. सड़कों और बांधों के बढ़ते हुए निर्माण और अवैध वन्यजीव व्यापार के कारण इस क्षेत्र के जंगल और नदियों के जीव-जंतुओं पर खतरा बढ़ता जा रहा है। इसके कारण कई प्रजातियों की खोज से पहले ही उनके खत्म होने का भय भी रहता है।
3. विश्व वन्यजीव कोष (WWF) के मुताबिक एक लंबी जांच प्रक्रिया के बाद वैज्ञानिकों ने साल 2016 में कुल 115 नई प्रजातियों की खोज की पुष्टि की। इनमें 18 उभयचर यानि पानी और जमीन में रहने वाले जीव हैं, दो मछलियां, 11 रेंगने वाले जीव, 88 पौधे और तीन स्तनपायी जीव शामिल हैं।
4. WWF के मुताबिक ग्रेटर मेकॉन्ग में पिछले 20 सालों में 2,500 से ज्यादा नई प्रजातियों की खोज हुई है।

इंसेफलाइटिस (मस्तिष्क ज्वर) के नए कारक की खोज

कई सालों से इंसेफलाइटिस की आवर्ती महामारी का कारण जापानी इंसेफलाइटिस (जेई) वायरस को माना जाता रहा है।

अब शोधकर्ताओं का कहना है कि इस बीमारी का कारण इस क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से उगने वाली 'बड़ा चकुंडा' (Bada Chakunda) नामक जंगली सेम (Wild Bean) का उपभोग है।

क्या है

1. कई प्राकृतिक विषाक्त पदार्थों की तरह इस सेम में पाए जाने वाले एन्थाक्वीनोन (1-दजीतुनपदवदम) स्वस्थ लोगों को नुकसान नहीं पहुँचाते, लेकिन अल्पपोषित बच्चों के यकृत, हृदय और मस्तिष्क पर घातक दुष्प्रभाव पैदा करते हैं।
2. एन्थाक्वीनोन कुछ पौधों में पाए जाने वाले कार्बनिक यौगिक हैं, जिनका उपयोग डाईज, पिगमेंट्स और औषधीय प्रयोजनों में किया जाता है।

इंसेफलाइटिस क्या है?

1. इंसेफलाइटिस को प्रायः जापानी बुखार भी कहा जाता है, क्योंकि यह जापानी इंसेफलाइटिस (जेई) नामक वायरस के कारण होता है।
2. यह एक प्राणघातक संक्रामक बीमारी है, जो फ्लैविवायरस के संक्रमण से होती है। यह मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करती है, जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली वयस्कों की तुलना में काफी कमजोर होती है।
3. क्यूलेक्स मच्छर इस बीमारी का वाहक होता है। सूअर तथा जंगली पक्षी मस्तिष्क ज्वर के विषाणु के स्रोत होते हैं।
4. केंद्रीय संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) निदेशालय के आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार समेत 14 राज्यों में इंसेफलाइटिस का प्रभाव है, लेकिन पश्चिम बंगाल, असम, बिहार तथा उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में इस बीमारी का प्रकोप काफी अधिक है।

IIIT वैज्ञानिकों का कमाल

आइआइटी खड़गपुर के वैज्ञानिकों ने प्याज के छिलके से एक ऐसा सस्ता उपकरण बनाया है जो शरीर की हलचल से स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न कर सकता है। इससे पसमेकर, स्वास्थ्य पर नजर रखने वाली 'स्मार्ट' गोलियों और शरीर पर धारण करने योग्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को ऊर्जा मिल सकती है। रिसर्चों का कहना है कि यह उपकरण प्याज के छिलके के पीजोइलेक्ट्रिक गुणों का प्रयोग करता है। यह जैविक दृष्टि से स्वयं क्षरित हो जाता है और पर्यावरण के लिए अनुकूल है।

क्या है

1. पीजोइलेक्ट्रिक पदार्थ में रोजमर्रा की यात्रिक हलचल की ऊर्जा को बिजली में बदलने की क्षमता होती है। आइआइटी खड़गपुर के प्रोफेसर भानुभूषण खटुआ का कहना है कि इस नायाब और किफायती उपकरण से आम आदमी भी किसी भी परिस्थिति में बिजली उत्पन्न कर सकता है।
2. तेजी से बढ़ रही आबादी, औद्योगिकीकरण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहनों के अंधाधुंध उपयोग से पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।
3. रिसर्चों का कहना है कि जीवाश्म आधारित ईंधनों पर बढ़ते हुए बोझ और प्राकृतिक संसाधनों में गिरावट को देखते हुए स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के लिए वैकल्पिक टेक्नोलॉजी विकसित करना बहुत जरूरी हो गया है। पीजोइलेक्ट्रिक पदार्थ शरीर की साधारण हलचल को स्वच्छ ऊर्जा में तब्दील कर सकता है और इससे वातावरण प्रदूषित नहीं होता, लेकिन इस तरह की बिजली के उत्पादन के लिए पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर बनाना बहुत मुश्किल है।
4. ऐसे उपकरण अक्सर बहुत महंगे भी पड़ते हैं। ये उपकरण बहुत ज्यादा विषाक्त होते हैं या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। इसकी वजह से वास्तविक जीवन में इनका प्रयोग सीमित है।
5. इन खामियों को दूर करने के लिए आइआइटी खड़गपुर और दक्षिण कोरिया की पोहांग यूनिवर्सिटी के रिसर्चों ने नए किस्म के पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर विकसित किए जो विषाक्त नहीं हैं और जैविक दृश्य से खुद क्षययोग्य हैं।
6. रिसर्चों ने अनुमान लगाया है कि वर्तमान टेक्नोलॉजी से इस तरह के उपकरण बनाने का खर्च एक रुपये से भी कम आएगा। इससे आर्थिक रूप से पिछड़े लोग भी इस उपकरण का उपयोग कर सकेंगे।
7. यह उपकरण बनाने के लिए आइआइटी के रिसर्चों ने प्याज के छिलके पर पहले सोने की परत चढ़ाई और इसके पश्चात उन्होंने चांदी के पेस्ट के साथ तांबे के तार इसमें सम्मिलित किए।

8. यह नैनोजेनरेटर कई तरह की यांत्रिक ऊर्जाओं को बिजली में बदलने सक्षम है, जिनमें शरीर की हलचल, हवा का प्रवाह और मशीनों का कंपन शामिल है।
9. नैनो एनर्जी पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार रिसर्चों द्वारा विकसित उपकरण 18 वोल्ट बिजली पैदा करता है, जो 30 एलईडी बत्तियों को ऑन कर सकती है।

धरती के करीब से गुजरी सबसे बड़ी और खतरनाक 'चट्टान'

अमेरिकी स्पेस एजेंसी छौ। ने कहा है कि कुछ दिन पहले पृथ्वी के पास से गुजरा एस्टेरॉइड यानि क्षुद्रग्रह अभी तक का सबसे विशाल क्षुद्रग्रह था। इतना ही नहीं नासा के वैज्ञानिकों का मानना है कि यह विशाल क्षुद्रग्रह बेहद खतरनाक भी था। अंतरिक्ष में तैरने वाली इस विशाल चट्टान जैसी चीज का नाम ३3200 चेंमजीवदर है। वैज्ञानिकों ने कहा कि इस चट्टान नुमा चीज के बीच में एक बड़ा गड्ढा मौजूद है। बता दें कि बीते 16 दिसंबर को ये क्षुद्रग्रह धरती से 10.3 मिलियन किलोमीटर की दूरी से गुजरा था।

क्या है

1. नासा के मुताबिक ऐसा क्षुद्रग्रह अगले 75 सालों तक धरती के इतना करीब से नहीं गुजरेगा। ये धरती के इतने पास से गुजरने वाला अभी तक का सबसे बड़ा क्षुद्रग्रह है। नासा का अनुमान है कि साल 2093 में कोई क्षुद्रग्रह धरती के और ज्यादा करीब होकर गुजर सकता है।
2. वैज्ञानिकों का कहना है कि चेंमजीवदर की चौड़ाई करीब 6 किलोमीटर है। इसके साथ नासा के वैज्ञानिकों ने इसे बेहद खतरनाक भी बताया है।
3. इससे पहले धरती के पास से 16 दिसंबर 1974 में एक क्षुद्रग्रह गुजरा था। वो पृथ्वी से करीब 8 मिलियन किलोमीटर की दूरी पर था। नासा ने कहा है कि 2093 में धरती के पास से गुजरने वाला क्षुद्रग्रह सिर्फ 2.9 किलोमीटर ही दूर होगा।

दूसरी दुनिया के अस्तित्व

पेंटागन के सीक्रेट यूएफओ-हंटिंग ब्यूरो के पूर्व चीफ ने कहा है कि मैं मानता हूँ कि इस दुनिया में 'संभवतः हम अकेले नहीं हैं।' लुईस एलिजोंडो का यह बयान यूएस फाइटर पायलटों के 2014 के एक विडियो को सार्वजनिक किए जाने के बाद आया। इस विडियो में पायलट कैलिफॉर्निया से दूर हवा में अज्ञात चीज को उड़ते हुए देखकर आश्चर्य से भरे नजर आ रहे हैं।

क्या है

1. एडवांस्ड एविएशन थ्रीट आइडेंटिफिकेशन प्रोग्राम 5 साल पहले समाप्त हो गया था, जब अमेरिकी रक्षा विभागों ने अपना ध्यान और पैसा दूसरी प्राथमिकताओं पर खर्च करना फैसला किया था।
2. डेमोक्रेटिक सीनेटर हैरी रीड के नेतृत्व फंडिंग की शुरुआत की गई थी। रक्षा विभाग ने इस प्रोग्राम के अस्तित्व में होने की बात स्वीकार की थी। इसके बाद एलिजोंडो ने कहा कि जो वस्तु उन्होंने आसमान में देखी थी उसने इस विचार के समर्थन में दमदार सबूत दिए हैं कि दुनिया में मानव अकेले नहीं हैं।
3. एलिजोंडो ने सीएनएन को बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से उनकी टीम की भूमिका उस वस्तु की पहचान करना था जो हमने देखा था, चाहे उसे हमने रैडार से देखा था या फिर प्रत्यक्षदर्शी के रूप में। हम यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि कहीं वह सूचना हमारे लिए खतरा तो नहीं।
4. उन्होंने बताया कि कुछ विमानों के पास ऐसी क्षमता है जिसकी क्षमता की बराबरी न तो अमेरिका और न ही दूसरे देश कर सकते हैं। एलिजोंडो ने कहा, शमैं सरकार की तरफ से नहीं बोल सकता, क्योंकि मैं अब सरकार में नहीं हूँ। मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि इस बात के दमदार सबूत हैं कि हम इस दुनिया में संभवतः अकेले नहीं हैं, इसका मतलब चाहे आप जो निकालें।

वैज्ञानिकों ने खोजा नई प्रजाति का मेंढक

वैज्ञानिकों ने अरुणाचल प्रदेश की सुबनसिरी जिले से मेंढक के एक नई प्रजाति की खोज की है। जो दुनिया में पाई जाने वाली 59वीं तो भारत में पाई जाने वाली पांचवी प्रजाति है। यह प्रजाति टालै वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में पाई गई है और इसका नाम ऑडोरराना अरुणाचलनसिस रखा गया है।

क्या है

1. राजीव गांधी यूनिवर्सिटी की जर्नल में छपे एक लेख के मुताबिक यह नए प्रजाति का मेंढक बारिश के समय यानी अप्रैल से सितंबर के बीच देखा जाता है। गर्मी के समय यह नहीं पाया जाता।
2. ऑडोरराना मेंढक पूर्व एशिया में पाई जानी वाली रानाडे प्रजाति के ग्रुप की ही प्रजाति है। यह मध्य आकार के मेंढक की खोज ज्योलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक भास्कर साकिया, बिक्रमजीत सिन्हा की टीम ने खोजा है। ऑडोरराना ग्रुप की कुछ 50 प्रजाति है इसलिए इसे पहचानना मुश्किल था।
3. ऑडोरराना अरुणाचलनसिस आंखों के बीच में पड़ने वाली काली लाइन से उसे मेंढक की ऑडोरराना की प्रजाति से अलग बनाता है।

पहाड़ों में गंगा किनारे पचास मीटर तक निर्माण पर रोक

एनजीटी ने कहा है कि पहाड़ों में गंगा किनारे से पचास मीटर की दूरी तक निर्माण कार्य प्रतिबंधित रहेंगे। ट्रिब्यूनल ने इस संबंध में अपने पहले के आदेश में सुधार किया है। एनजीटी के ताजा फैसले में पचास मीटर तक के इलाके को नो डेवलपमेंट जोन माना गया है।

क्या है

1. एनजीटी प्रमुख जस्टिस स्वतंत्र कुमार की बेंच ने कहा कि नो डेवलपमेंट जोन का मतलब है कि इस क्षेत्र में कोई व्यावसायिक व आवासीय गतिविधि नहीं चलाई जाएगी।
2. पहाड़ों की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए पहले के निर्णय को तब्दील किया गया है। जुलाई में दिए फैसले में ट्रिब्यूनल ने कहा था कि हरिद्वार से लेकर उग्र के उन्नाव तक के हिस्से में गंगा किनारे से सौ मीटर तक के हिस्से को नो डेवलपमेंट जोन में शुमार किया जाएगा। राज्य सरकारें जब तक इस आशय पर कोई फैसला नहीं लेती हैं तब तक आदेश प्रभावी रहेगा।
3. पचास से सौ मीटर तक के हिस्से को रेगुलेटरी जोन में शामिल किया जाएगा। निर्माण कार्य इस क्षेत्र में प्रतिबंधित रहेगा। राज्य सरकार जब कोई नीति बनाती है तब इस पर फिर से विचार किया जा सकता है। हरिद्वार में स्थित उद्योगों पर एनजीटी ने कहा कि इन्हें सीधे जलशोधन संयंत्र से जोड़ा जाए। ऐसा नहीं हो पाता है तो उद्योग में तालाबंदी की जाए। इससे पहले नदी के किनारे से पांच सौ मीटर इलाके में कूड़ा फेंकने पर बैन लगाया गया था। आदेश की अवहेलना पर पचास हजार रुपये का जुर्माना लगेगा।

विविध

साल का सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात

साल का सबसे छोटा दिन आज या यानी 21 दिसंबर को होगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि इस दिन मकर रेखा पृथ्वी के सर्वाधिक निकट होगी। इसी के चलते इस दिन की अवधि कम होगी। यह दिन 10 घंटे, 19 मिनट और 10 सेकंड की अवधि का होगा। इस दिन के बाद से ही ठंड बढ़ जाती है। इस दिन सूर्य पृथ्वी पर कम समय के लिए उपस्थित होता है तथा चंद्रमा अपनी शीतल किरणों का प्रसार पृथ्वी पर अधिक देरी तक करता है। इसे विंटर सोल्टाइस अथवा दिसंबर दक्षिणायन कहा जाता है।

क्या है

1. खगोल शास्त्रियों के अनुसार पृथ्वी अपने अक्ष पर साढ़े तेईस डिग्री झुकी हुई हैं। जिसके कारण सूर्य की दूरी पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध से अधिक हो जाती हैं और सूर्य की किरणों का प्रसार पृथ्वी पर कम समय तक हो पाता है। कहा जाता है कि इस दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में प्रवेश करता है।
2. वहीं श्विंटर सोलस्टाइस के ठीक विपरीत 20 से 23 जून के बीच श्समर सोलस्टाइस भी मनाया जाता है। तब दिन सबसे लंबा और रात सबसे छोटी होती है तो वहीं 21 मार्च और 23 सितंबर को दिन और रात का समय बराबर होता है।
3. आज के दिन को श्वास्तविक संक्रातिश से भी जोड़ते हैं क्योंकि ऐसा मानना है कि 1700 साल पहले आज के ही दिन श्मकर संक्रान्तिश मनाई जाती थी जो कि अब 14 जनवरी आती है।

2जी स्पेक्ट्रम घोटाला पर फैसला

देश के सबसे बड़े 2जी घोटाले में सीबीआई की विशेष अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। जज ने एक लाइन में अपना फैसला सुनाया। जज ओ. पी. सैनी ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में नाकाम रहा। इस मामले में पूर्व दूरसंचार मंत्री ए. राजा और डीएमके प्रमुख एम. करुणानिधि की बेटी और राज्यसभा सांसद कनिमोझी को भी बरी कर दिया है।

क्या है 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला?

1. 2010 में आई एक सीएजी रिपोर्ट में 2008 में बांटे गए स्पेक्ट्रम पर सवाल उठाए गए थे। इसमें बताया गया था कि स्पेक्ट्रम की नीलामी के बजाए श्पहले आओ, पहले पाओश के आधार पर इसे बांटा गया था।
2. इससे सरकार को एक लाख 76 हजार करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। इसमें इस बात का जिक्र था कि नीलामी के आधार पर लाइसेंस बांटे जाते तो यह रकम सरकार के खजाने में जाती। दिसंबर 2010 में सुप्रीम कोर्ट ने 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला मामले में विशेष अदालत बनाने पर विचार करने को कहा था।
3. 2011 में पहली बार स्पेक्ट्रम घोटाला सामने आने के बाद अदालत ने इसमें 17 आरोपियों को शुरुआती दोषी मानकर 6 महीने की सजा सुनाई थी। इस घोटाले से जुड़े केस में एस्सार ग्रुप के प्रमोटर रविकांत रुइया, अंशुमान रुइया, लूप टेलीकॉम के प्रमोटर किरण खेतान उनके पति आई पी खेतान और एस्सार ग्रुप के निदेशक विकास सरफ भी आरोपी हैं।

धर्म परिवर्तन के लिए जिला कलेक्टर की अनुमति जरूरी

राजस्थान में अब कलेक्टर की अनुमति के बिना धर्म परिवर्तन नहीं हो सकेगा। कथित 'लव जिहाद' जैसे मामलों पर राजस्थान हाईकोर्ट ने दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत जो कोई भी अपना धर्म परिवर्तन करना चाहता है, उसे पहले एक हफ्ते तक सरकारी नोटिस बोर्ड पर अपना नाम लिखना होगा और इस दौरान इस फैसले के खिलाफ लोग अपील भी कर सकेंगे। दोनों पक्षों को सुनने के बाद ही कलेक्टर धर्म परिवर्तन की अनुमति देगा। हालांकि अदालत ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए योग्य व्यक्ति कौन होगा।

क्या है

1. न्यायमूर्ति गोपाल कृष्ण व्यास और वीरेंद्र कुमार माथुर की पीठ ने 'लव जिहाद' के एक मामले में यह फैसला सुनाया। साथ ही कहा कि जब तक राज्य में धर्म परिवर्तन से संबंधित कोई कानून नहीं बन जाएतब तक हाईकोर्ट का ये निर्देश लागू रहेगा।
2. गौरतलब है कि जोधपुर में एक परिवार ने 'लव जिहाद' का आरोप लगाते हुए एक मुस्लिम लड़के पर अपनी लड़की का जबरन धर्म परिवर्तन कर शादी करने का आरोप लगाया था।
3. तब हाईकोर्ट ने लड़की को सरकारी नारी निकेतन में भेजते हुए राज्य सरकार से कहा था, 'किसी के लिए भी धर्म परिवर्तन करना मजाक बन गया है। आपके इसके लिए क्या नियम है बताएं?'

4. राज्य सरकार ने कोर्ट को जवाब दिया था कि उसने विधेयक बना लिया है जिसकी मंजूरी के लिए गृह मंत्रालय के जरिए राष्ट्रपति को भेजा है।
5. अदालत ने कहा कि किसी भी धर्म परिवर्तन या अंतर धार्मिक शादी में दिशानिर्देशों का पालन नहीं होता है और इसे चुनौती दी जाती है, तो इसे खारिज किया जाता है।
6. दिशा-निर्देश में कहा गया है कि तय उम्र के बाद कानून किसी को भी धर्म परिवर्तन की आजादी देता है, लेकिन इसके लिए वह खुद धर्म परिवर्तन की शर्तों से संतुष्ट होना चाहिए।
7. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का आधारभूत अधिकार देता है। लेकिन साथ ही प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य भी बनता है कि वह अन्य धर्मों की भावनाओं का सम्मान करें और संविधान के खिलाफ आचरण न करें।

कोयला घोटाला में मधु कोड़ा को सजा

झारखंड कोयला घोटाला मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने मुख्य आरोपी मधु कोड़ा को तीन साल की जेल और 25 लाख के जुर्माने की सजा सुनाई है। कोयला घोटाला मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा समेत चार अन्य को सीबीआई की विशेष अदालत ने दोषी करार दे दिया था। मधु कोड़ा के अलावा पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता, झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव अशोक कुमार बसु और एक अन्य को घोटाले में संलिप्त पाते हुए अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी(आपराधिक साजिश), 420 (धोखाधड़ी), 409 (सरकारी कर्मियों द्वारा आपराधिक विश्वासघात) और भ्रष्टाचार की रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था।

क्या है

1. यह मामला झारखंड में पलामू स्थित राजहरा नॉर्थ कोल ब्लॉक का आवंटन कोलकाता स्थित वीआइएसयूएल को देने में अनियमितताओं से जुड़ा है।
2. सीबीआई के अनुसार वीआइएसयूएल ने आठ जनवरी 2007 को राजहरा नॉर्थ कोल ब्लॉक के लिए आवेदन किया था। झारखंड सरकार और इस्पात मंत्रालय ने कंपनी को कोल ब्लॉक आवंटित नहीं करने की अनुशंसा की थी, लेकिन तत्कालीन कोयला सचिव एचसी गुप्ता और झारखंड के तत्कालीन मुख्य सचिव अशोक कुमार बसु की सदस्यता वाली 36वीं स्क्रीनिंग कमेटी ने अपने स्तर पर ही इस ब्लॉक को आवंटित करने की सिफारिश कर दी।
3. इसी को आधार बनाकर बाद में झारखंड की तत्कालीन मधु कोड़ा सरकार ने इस कोल ब्लॉक को कंपनी को आवंटित कर दिया। उस समय एचसी गुप्ता ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी अंधेरे में रखा। इस तथ्य को छिपाया कि झारखंड सरकार ने वीआइएसयूएल को कोल ब्लॉक आवंटित नहीं करने की सिफारिश की है। सीबीआई का कहना था कि कोड़ा, बसु और दो अन्य ने वीआइएसयूएल को कोल ब्लॉक आवंटित कराने के लिए साजिश रची थी।
4. कैंग (भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक) ने मार्च 2012 में अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट में तत्कालीन संग्रह सरकार पर आरोप लगाया था कि उसने 2004 से 2009 तक की अवधि में कोल ब्लॉक का आवंटन गलत तरीके से किया है।
5. इससे सरकारी खजाने को 1.86 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कैंग रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने कई फर्मों को बिना किसी नीलामी के कोल ब्लॉक आवंटित किए थे।

मुआवजे पर हाईकोर्ट नये सिरे से ले फैसला

तीन अलग-अलग अधिसूचनाओं में अधिग्रहित की गई फरीदाबाद के दो दर्जन से ज्यादा गांवों की जमीन के मुआवजे पर पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट नये सिरे से फैसला लेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इन गांवों का मुआवजा तय करने का हाईकोर्ट का आदेश रद्द करते हुए मामला नये सिरे से तय करने के लिए वापस भेज दिया है। 28 गांवों की यह जमीन नहर पार फरीदाबाद के सेक्टर 75 से लेकर 89 के बीच आती है। हरियाणा सरकार ने 2006 और 2008 में तीन अधिसूचनाएं निकाल कर रिहायशी और व्यवसायिक योजना तथा मास्टर रोड के निर्माण के लिए अधिग्रहण किया था।

क्या है

1. हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 189 अपीलें दाखिल हुई थीं, जिनमें सैकड़ों किसान याचिकाकर्ता थे। किसानों के वकील सोमवीर सिंह देशवाल व अन्य ने फैसले का विरोध करते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने जमीन के महत्व व उसकी बाजार कीमत के बारे में पेश किए गए दस्तावेजों पर ध्यान नहीं दिया।
2. तीनों अधिसूचनाएं अलग समय और अलग-अलग जगह के बारे में हैं, लेकिन तीनों को एक साथ मिलाकर फैसला दे दिया है। किसानों ने कहा कि उनका मुआवजा बढ़ना चाहिए।
3. सुप्रीम कोर्ट ने मामला वापस भेजते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने सोहनलाल बनाम स्टेट आफ हरियाणा के बारे में 3 सितंबर, 2014 को दिए गए फैसले को ही मौजूदा अधिग्रहण में मुआवजा तय करने का आधार बनाया है।
4. हाईकोर्ट ने जो तरीका अपनाया है उससे कुछ मामलों में तो रिफरेंस कोर्ट द्वारा तय मुआवजा भी घट गया है। ये आदेश बना रहने लायक नहीं है। हाईकोर्ट नये सिरे से प्रत्येक मामले की मेरिट को ध्यान में रखते हुए मुआवजा तय करे और ऐसा करते समय दोनों पक्षों की ओर से पेश किये गए साक्ष्यों पर भी गौर करे।

इन गांवों की है जमीन

1. पहली अधिसूचना -1 मई, 2006 को फरीदाबाद के सेक्टर 75 और 80 में पड़ने वाले गांव बरोली, सीही, मुर्तजापुर, पहलादपुर, भटोला के लिए जारी हुई।
2. दूसरी अधिसूचना - 7 फरवरी, 2008 को सेक्टर 76,77 और 88 में पड़ने वाले गांव भटोला, मुर्तजापुर, फज्जपुर, नीमका, फरीदपुर और बरोली की जमीन के लिए थी। ये दोनों अधिग्रहण रिहायशी और व्यवसायिक योजनाओं के लिए थीं।
3. तीसरी अधिसूचना - 14 अगस्त, 2008 को जारी हुई जो कि मास्टर रोड के निर्माण के लिए थी। ये अधिसूचना सेक्टर 75 से लेकर 89 तक आने वाले गांवों मुर्तजापुर, नीमका, फज्जपुर, भटोला, बरोली, पहलादपुर, बुढेना, खेरीखुद, फरीदपुर, खीरीकलां, बसेलवा, रिवाजपुर, बादशाहपुर, पलवली, वजीरपुर, मवई और भूपानी गांव की जमीनों के बारे में थी।

दुनियाभर के प्रवासियों में सर्वाधिक संख्या भारतीयों की

आजीविका व बेहतर जिंदगी की तलाश में अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में रहने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की इंटरनेशनल माइग्रेशन रिपोर्ट-2017 के मुताबिक दुनियाभर में 25 करोड़ से अधिक प्रवासी रह रहे हैं। इसमें सर्वाधिक 1.7 करोड़ भारतीय हैं। इसमें से तकरीबन पचास लाख भारतीय खाड़ी देशों में रह रहे हैं। सर्वाधिक प्रवासियों की सूची में दूसरे स्थान पर मेक्सिको है। वर्ष 2000 के बाद से दुनिया में प्रवासियों की संख्या में 49 फीसद का इजाफा हुआ है।

क्या है

1. अंतरराष्ट्रीय पलायन 2030 के सतत विकास लक्ष्य के एजेंडे के लिए गंभीर चिंता का विषय है। सभी देशों को सुरक्षित, अनुशासित और नियमित प्रवासन सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना होगा।
2. लियु जेनमिन, उपसचिव, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक व सामाजिक कामकाज विभाग
3. रिपोर्ट के मुताबिक पलायन की वजह से कुछ देशों की आबादी तेजी से बढ़ रही है और कई देशों की जनसंख्या घट रही है। 2000 से 2015 के बीच उत्तरी अमेरिका की आबादी में 42 फीसद और ओशनिया की आबादी में 31 फीसद का इजाफा हुआ। यूरोप में प्रवासियों की संख्या घटने से वहां की आबादी में गिरावट दर्ज की गई।
4. प्रवासी भारतीय सबसे अधिक खाड़ी देशों में रह रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीयों की संख्या 30 लाख है, वहीं सऊदी अरब में यह संख्या 20 लाख है। अमेरिका में भी 20 लाख प्रवासी भारतीय रहते हैं।

साहित्य अकादमी पुरस्कार

हिन्दी के वयोवृद्ध आलोचक एवं सुप्रसिद्ध विद्वान डॉ. रमेश कुंतल मेघ, राजस्थान के नीरज दर्ईया, संस्कृत के निरंजन मिश्र और मराठी के श्रीकांत देशमुख समेत 24 लेखकों को इस वर्ष के साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

साहित्य अकादमी के अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की बैठक में इन पुरस्कारों को मंजूरी दी गई।

क्या है

1. अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने पुरस्कारों की घोषणा करते हुए पत्रकारों को बताया कि इस बार सात उपन्यास, पांच कविता संग्रह, पांच समालोचना, एक नाटक और एक निबंध के लिए ये पुरस्कार दिए जा रहे हैं।
2. पुरस्कार में हर लेखक को एक-एक लाख रुपये, एक प्रतीक चिह्न एवं एक प्रशस्ति पत्र शामिल है। उन्होंने बताया कि ये पुरस्कार 12 फरवरी को राजधानी में होने वाले साहित्योत्सव में प्रदान किए जाएंगे।
3. ये पुरस्कार एक जनवरी 2011 से 31 दिसंबर 2015 के दौरान प्रकाशित पुस्तकों के लिए दिए गए।

फेसबुक के जरिए 'डिगमाइन' का हमला

मई 2017 में वानाक्राई की तरह ही 'डिगमाइन' मालवेयर ने डिजिटल मुद्रा को अवैध रूप से संग्रहीत करने के लिए सायबर हमला कर दिया है। दक्षिण कोरिया में पहली बार देखा गया यह मालवेयर फेसबुक मैसेंजर के जरिए विप्लवनाम, अजरबैजान, यूक्रेन, फिलीपींस, थाईलैंड और वेनेजुएला भी पहुंच गया है।

क्या है डिगमाइन?

1. मालवेयर कंप्यूटर वायरस की तरह ही यह एक दोषपूर्ण सॉफ्टवेयर है। डिगमाइन क्रोम ब्राउजर से चलाए जाने वाले फेसबुक मैसेंजर को अपनी चपेट में ले रहा है।
2. इसकी मदद से सायबर अपराधी फेसबुक अकाउंट को भी हैक कर सकते हैं। वीडियो फाइल की तरह डिजाइन किए गए डिगमाइन को टोक्यो स्थित ट्रेंड माइक्रो नामक सायबर सुरक्षा कंपनी ने खोजा है।
3. उसने सतर्क किया है कि तेजी से फैल रहा यह मालवेयर जल्द अन्य देशों में भी पहुंच सकता है।

कैसे काम करता है डिगमाइन?

1. डिगमाइन को यूजर के चौट में भेजा जा रहा है जिसपर क्लिक करते ही क्रोम एक्सटेंशन डाउनलोड हो जाता है। सामान्य तौर पर 'क्रोम वेब स्टोर' से ही इसे डाउनलोड किया जा सकता है।
2. 'मोनेरो' नामक डिजिटल करेंसी को जमा करने के लिए बना गया यह नकली सॉफ्टवेयर अपडेट होकर लंबे समय तक सिस्टम में रह सकता है।
3. ट्रेंड माइक्रो का कहना है कि हाल ही में डिजिटल करेंसी के शोधन की तरफ हैकर्स की रुचि बढ़ी है जिस कारण इस तरह के मालवेयर बनाए जा रहे हैं। हालांकि वेब ब्राउजर के अतिरिक्त यह अन्य तरीकों से यूज किए जा रहे मैसेंजर को नुकसान नहीं पहुंचा रहा है लेकिन आगे चलकर यह सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ी मुसीबत खड़ी कर सकता है।

फोर्ब्स 2017 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले स्टार

फोर्ब्स ने भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले टॉप 10 सेलिब्रिटी की लिस्ट जारी की है। बता दें कि पिछली बार की तरह इस बार भी पहले स्थान पर सुपरस्टार सलमान खान ही है। फोर्ब्स रिपोर्ट के मुताबिक सलमान की सालाना कमाई 232.83 करोड़ रूपए हैं। उनकी अकेले की कमाई टॉप 10 हस्तियों की सूची की कुल कमाई का 8.67 प्रतिशत है। 100 हस्तियों की कुल कमाई 2,683 करोड़ हैं।

क्या है

1. शाहरुख खान 170.5 करोड़ की कमाई के साथ दूसरे स्थान पर हैं और विराट कोहली की 100.72 करोड़ की कमाई के साथ तीसरे स्थान पर। दिलचस्प बात तो ये है कि प्रियंका चोपड़ा टॉप 10 में जगह बनाने वाली अकेली महिला हैं।
2. फोर्ब्स इंडिया के सीईओ और टीवी18, रेवन्यू के अध्यक्ष जॉय चक्रवर्ती ने कहा, शहम फोर्ब्स इंडिया के एक और अंक को प्रस्तुत करके बहुत प्रसन्न हैं, यह जल्द ही बाजार में आएंगे। सालों से इस सूची ने एक मानदण्ड तय किया है कि कौन कितना कमाता है।
3. इस साल की लिस्ट एक संशोधित पद्धति पर आधारित है जो हस्तियों की आय पर केंद्रित है।

4. पिछले साल इस लिस्ट में दक्षिण भारत से 11 अभिनेता थे जबकि इस साल 13 हैं। बॉलीवुड अभिनेताओं की संख्या 35 से 33 हो गई है। पिछले साल के मुकाबले उनकी कुल आय में भी 13 प्रतिशत की गिरावट आई है।
5. बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु की आय में सबसे ज्यादा बढ़त हुई है। उनकी आय बढ़कर कुल 57.25 करोड़ हो गई है।

श्रीनिवास रामानुजन का जन्मदिवस

भारत के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन ने जो काम केवल 32 वर्ष की उम्र में कर दिया, वैसा शायद ही देखने को मिलता है। इसीलिए उन्हें आधुनिक समय के सबसे महान गणितज्ञों में से एक माना जाता है। श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का जन्म 22 दिसंबर, 1887 को तमिलनाडु के छोटे-से गांव ईरोड में हुआ था। उन्हें गणित में कोई विशेष प्रशिक्षण नहीं मिला था, फिर भी उन्होंने गणित के क्षेत्र में ऐसे सिद्धांत दिए कि पूरी दुनिया हैरान रह गई। उन्होंने अपनी गणितीय खोजों से पूरी दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया। उन्होंने खुद से गणित सीखा और अपने छोटे से जीवनकाल में गणित के 3,884 प्रमेयों (थ्योरम) का संकलन किया। इनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किए जा चुके हैं।

क्या है

1. रामानुजन ने अपनी प्रतिभा की बदौलत जो खोजें कीं, उनके आधार पर कई शोध हुए। उनके सूत्र (फॉर्मूला) कई वैज्ञानिक खोजों में मददगार बने। इनके कार्य से प्रभावित गणित के क्षेत्रों में हो रहे काम के लिए रामानुजन जर्नल की स्थापना की गई है। रामानुजन ने जो भी उपलब्धि हासिल की, वह अपनी प्रतिभा के दम पर की।
2. रामानुजन की मां का नाम कोमलताम्मल और पिता का नाम श्रीनिवास अयंगर था। वह एक कपड़ा व्यापारी की दुकान में मुनीम थे। रामानुजन का ज्यादातर बचपन प्राचीन मंदिरों के शहर कुंभकोणम में बीता। शायद इसीलिए उनके मन में धर्म के प्रति बहुत लगाव था।
3. वे अपने गणित के क्षेत्र में किए गए किसी भी काम को अध्यात्म का ही एक अंग मानते थे। वे धर्म और अध्यात्म में केवल विश्वास ही नहीं रखते थे, बल्कि उसे तार्किक रूप से प्रस्तुत भी करते थे। वे कहते थे-मेरे लिए गणित के उस सूत्र का कोई मतलब नहीं है, जिससे मुझे आध्यात्मिक विचार न मिलते हों। रामानुजन स्वयं कहते थे कि उनके द्वारा लिखे सभी प्रमेय उनकी कुल देवी नामागिरि की प्रेरणा हैं।
4. बचपन में रामानुजन का बौद्धिक विकास सामान्य बच्चों की तरह नहीं था और वे तीन वर्ष की आयु तक बोलना भी नहीं सीख पाए थे। 10 साल की उम्र में उन्हें गणित से विशेष प्रेम पैदा हुआ।
5. सन् 1918 में रामानुजन को कैम्ब्रिज फिलोसॉफिकल सोसायटी, रॉयल सोसायटी तथा ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज तीनों का फेलो चुन गया। जब भारत गुलाम था, वैसे समय में एक अश्वेत व्यक्ति को रॉयल सोसायटी की सदस्यता मिलना असाधारण बात थी। रामानुजन रॉयल सोसायटी के अब तक के सबसे कम उम्र के सदस्य हैं।
6. रामानुजन की सेहत खराब रहने लगी थी, इसलिए उन्हें सन 1919 में वापस भारत लौटना पड़ा। इंग्लैंड का मौसम उन्हें रास नहीं आया था। 26 अप्रैल 1920 को इस महान भारतीय गणितज्ञ का निधन हो गया। इतने कम उम्र में उनकी मृत्यु से पूरा गणित जगत सदमे में आ गया। आज भी वे असंख्य भारतीय और विदेशी गणितज्ञों के प्रेरणास्रोत हैं।

चारा घोटाला में लालू यादव दोषी करार

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्रियों लालू प्रसाद और जगन्नाथ मिश्र समेत 22 आरोपियों पर जा फैसला सुनाया गया। सीबीआई की विशेष अदालत ने लालू यादव समेत 15 लोगों को दोषी करार दिया जबकि पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्रा समेत 7 को बरी कर दिया। दोषियों को अब तीन जनवरी 2018 को सजा सुनाई जाएगी। लेकिन तीन जनवरी तक लालू यादव को अब जेल में ही रहना होगा।

क्या है

1. सीबीआई के विशेष जज शिवपाल सिंह की अदालत फैसला सुनाया। यह मामला (आरसी 64ए/96) देवघर कोषागार से 89.4 लाख रुपए की अवैध निकासी से संबंधित है।

2. 21 साल पुराने इस मामले में सीबीआई ने शुरू में 38 लोगों को आरोपी बनाया था। इसमें 11 की मौत ट्रायल के दौरान हो गई। दो आरोपी सरकारी गवाह बन गए और निर्णय के पूर्व ही अपना दोष स्वीकार कर लिया। सीबीआई ने इस मामले में देवघर कोषागार से फर्जी बिल बना कर राशि की निकासी करने का आरोप लगाया है।
3. आपूर्तिकर्ताओं पर बिना सामान की आपूर्ति किए बिल देने और विभाग के अधिकारियों पर बिना जांच किए उसे पास करने का आरोप है। लालू प्रसाद पर गड़बड़ी की जानकारी होने के बाद भी इस पर रोक नहीं लगाने का आरोप है।
4. लालू प्रसाद, जगन्नाथ मिश्र एवं अन्य आरोपियों को मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शुरू हुई।
5. चाईबासा कोषागार (आरसी 20 ए/96) से अवैध निकासी के मामले में लालू, जगन्नाथ समेत 42 आरोपियों को सजा हुई थी। इसके बाद जगन्नाथ मिश्र ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। मिश्र की ओर से दलील दी गई कि चारा घोटाले के एक मामले में उन्हें सजा दे दी गई है।

आनंद ने जीता खिताब

विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन को हराने के बाद विश्वनाथन आनंद ने शानदार लय बरकरार रखते हुए रियाद में विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियनशिप खिताब जीत लिया। आनंद ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन को नौवें दौर में हराकर 2013 विश्व चैम्पियनशिप में मिली हार का बदला चुकता कर लिया।

क्या है

1. उन्होंने 2013 में यह खिताब कार्लसन को गंवाया था जबकि 2003 में उन्होंने फाइनल में ब्लादीमिर क्रामनिक को हराकर खिताब जीता था। वह आखिरी पांच राउंड की शुरुआत के वक्त संयुक्त दूसरे स्थान पर थे जब रूस के ब्लादीमिर फेडोसीव और इयान नेपोमिन्याश्चि के भी 15 में से 10-5 अंक थे। आनंद ने टाइब्रेकर में फेडोसीव को 2-0 से हराकर खिताब जीता।
2. आनंद ने 14वें राउंड में सफेद मोहरों से रूस के अलेक्जेंडर ग्रिसचुक को हराने से पहले दो ड्रॉ खेले। दूसरी ओर कार्लसन को रूस के ब्लादीस्लाव अर्तेमीव ने ड्रा पर रोका जिससे आनंद उनके साथ संयुक्त शीर्ष पर आ गए।
3. आखिरी दौर में आनंद ने चीन के बू शियांग्जी से ड्रा खेला जबकि कार्लसन को ग्रिसचुक के हाथों अप्रत्याशित हार झेलनी पड़ी। पंद्रह दौर के बाद आनंद छह जीत और नौ ड्रा के बाद अपराजेय रहे ।
4. इस सत्र में खराब फार्म से जूझ रहे आनंद ने वर्ष का अंत खिताबी जीत से करके नये सत्र के लिये उम्मीदें जगाई हैं ।

जीतू ने जीता गोल्ड

भारत के शीर्ष निशानेबाजों में शामिल जीतू राय ने 61वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में 29 दिसम्बर को तिरुवनंतपुरम में 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में नये रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता। जीतू ने 233 अंक बनाये जो फाइनल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड है।

क्या है

1. स्पर्धा में नौसेना के ओंकार सिंह 222.4 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। सेना के जय सिंह ने 198.4 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।
2. टीम स्पर्धा में भी जीतू को गोल्ड मिला। सेना का प्रतिनिधित्व करने वाले जीतू ने जय सिंह और ओमप्रकाश मिथेवाल के साथ मिलकर 1658 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता। इसमें वायुसेना (1626) की टीम को रजत और पंजाब (1624) को ब्रॉन्ज मिला।
3. पंजाब के अर्जुन सिंह चीमा ने जूनियर 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 226.5 अंकों के साथ सोने का तमगा अपने नाम किया जिसमें पंजाब के ही सुरेन्द्र सिंह (221.9) को रजत और हरियाणा के अनमोल जैन(205.1) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

एकल पर्वतारोहण प्रतिबंधित

नेपाल ने दुर्घटना कम करने और पर्वतारोहण को सुरक्षित बनाने के लिए माउंट एवरेस्ट समेत सभी चोटियों पर एकल पर्वतारोहण पर प्रतिबंध लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट में नेपाल पर्यटन बोर्ड के अधिकारियों के हवाले से बताया गया, इन एवरेस्ट नियमों के तहत दिव्यांगों और दृष्टिहीनों के लिए भी पर्वतारोहण प्रतिबंधित कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया, पर्वतारोहण सुरक्षित बनाने और नेपाल के पर्वतों पर मौत की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नियमों में बदलाव किया गया है। इस सत्र में पर्वतारोहण की कोशिश कर रहे 6 पर्वतारोहियों की मौत हो गई थी, जिसमें 85 वर्षीय मिन बहादुर शेरचन भी शामिल थे। वह एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले सबसे अधिक उम्र के पर्वतारोही बनना चाहते थे।

क्या है

1. इस वर्ष रेकॉर्ड संख्या में पर्वतारोहियों ने एवरेस्ट फतह करने की कोशिश की। विश्व प्रसिद्ध स्विस् पर्वतारोही उली स्टेक अपनी एकल एवरेस्ट यात्रा के दौरान मारे गए। उन्हें श्विस मशीन के नाम से भी जाना जाता था। अधिकारियों के अनुसार, नए नियमों के तहत विदेशी पर्वतारोहियों को अपने साथ एक गाइड रखना होगा, जिससे नेपाल के गाइडों के लिए नौकरी के नए अवसर भी पैदा होंगे।
2. कुछ लोगों ने दिव्यांगों और दृष्टिहीनों के पर्वतारोहण पर प्रतिबंध लगाने के नेपाल सरकार के फैसले का विरोध किया है। अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान अपने दोनों पैर गंवा चुके और एवरेस्ट पर चढ़ने की तैयारी कर रहे हरीबुद्धा मागर ने अपने फेसबुक पोस्ट पर इस कदम को श्भेदभावपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि यह नाइंसाफी भरा कदम है।
3. काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, 1953 में माउंट एवरेस्ट को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी घोषित किए जाने के बाद इसपर चढ़ाई की कोशिश में करीब 300 लोग मारे जा चुके हैं।
4. ऐसा अनुमान है कि पर्वत में अब भी कम से कम 200 शव दबे हुए हैं। पर्वतारोहियों की मौत कई वजहों से हो जाती है। इनमें से 20 प्रतिशत से ज्यादा मौतें जोखिम या ऊंचाई पर होने वाली बीमारी की वजह से होती हैं।

भारतीय महिला को ब्रिटेन का 'शाही सम्मान'

लंदन में रहने वाली भारतीय मूल की महिला वैज्ञानिक प्रतिभा लक्ष्मण गाई को ब्रिटेन के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जाएगा। उन्हें साल 2018 में ब्रिटेन की महारानी द्वारा यह सम्मान दिया जाएगा। प्रतिभा यह सम्मान हासिल करने वाले चुनिंदा भारतीयों में से एक हैं। लंदन की जानी मानी वैज्ञानिक प्रतिभा लक्ष्मण गाई को ब्रिटेन के सबसे बड़े सम्मान में एक 'Order of the British Empire' से नवाजा जाएगा। गाई यॉर्क यूनिवर्सिटी में बतौर प्रोफेसर काम करती हैं। उन्हें विज्ञान में 'Electron Microscopy' के क्षेत्र में बड़ा एक्सपर्ट माना जाता है। मूल रूप से भारतीय, प्रतिभा ने नेशनल साइंस टैलेंट स्कॉलरशिप जीती थी और इसके साथ ही एक अन्य स्कॉलरशिप हासिल करके वो कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में पढ़ने आई थीं।

क्या है

1. प्रतिभा लक्ष्मण ब्रिटेन का ये प्रतिष्ठित सम्मान हासिल करने वाले भारतीय मूल के चुनिंदा लोगों में शुमार हैं। इससे पहले साल 1931 में धार की महारानी लक्ष्मी देवी, 2014 में आशा खेमका और इस साल प्रवीन शर्मा को ये सम्मान दिया गया। 1917 में पहली बार ब्रिटेन की क्वीन द्वारा यह सम्मान दिया गया था।
2. प्रतिभा लक्ष्मण गाई दुनिया में रेडियोएक्टिविटी की जनक कही जाने वाली दिग्गज वैज्ञानिक मैरी क्यूरी (मैडम क्यूरी) के जीवन से काफी प्रभावित हैं।
3. गाई ने 'hydrocarbon catalysis@polymers'] 'energy sources'] 'electronic ceramics'] 'Piezoelectrics' और 'nanocoatings' के क्षेत्र में कई आविष्कार किए हैं, जिन्हें उन्होंने पेटेंट भी करवाया है।
4. एक सफल रसायनिक वैज्ञानिक होने के साथ प्रतिभा साइंस के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाली महिलाओं की आवाज बनती रही हैं। 300 से ज्यादा पेपर्स उनके नाम हैं और साथ ही उन्होंने 9 किताबों का लेखन और संपादन किया है।
5. साल 2018 में प्रतिभा लक्ष्मण गाई को ब्रिटेन की महारानी द्वारा बकिंगहम पैलेस में एक समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में ब्रिटिश रॉयल परिवार के सदस्य भी मौजूद रहेंगे।

कैंसर से दवाई से हो सकता हार्ट फेल

कैंसर के उपचार के लिए ली जाने वाली कुछ दवाइयां हाइपर टेंशन और हार्ट फेलियर की समस्याएं दे सकती हैं। ऐसा खुलासा एक ताजा शोध से हुआ है। शोध में दावा किया गया है कि कार्फिलजोमिब नाम की दवा की ज्यादा डोज लेने से दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में यह चेताया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वानिया के शोधकर्ताओं ने कैंसर के 2594 मरीजों पर 24 शोध किए।

क्या है

1. पूर्व में हुए अध्ययनों के विश्लेषण में सामने आया कि मल्टिपल मयलोमा से पीड़ित कार्फिलजोमिब का सेवन करने वाले 18 प्रतिशत मरीजों में हृदय और रक्तवाहिका से संबंधित कई प्रतिकूल स्थितियां देखी गईं जिनमें उच्च रक्तचाप, दिल का दौरा पड़ना, हृदय गति रक जाना और दिलों की मांसपेशियों के संकुचन की असामान्य गति आदि शामिल हैं।
2. अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वानिया के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि कार्फिलजोमिब अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) द्वारा स्वीकृत तीन प्रोटेअसम इन्हिबिटर में से एक है।
3. प्रोटेअसम ऐसी दवाएं हैं जो कोशिकाओं में मौजूद प्रोटीन को तोड़कर उसे बाहर करता है। यह अध्ययन जेएएमए ऑन्कोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।